पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम , लखनऊ

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पंजीक..... दिनांक.....

PT. DDU AWADH SANSKRITIK CLUB

ADJUSTMENT AND REPORTS

SESSION 2025-2026

Scanned with OKEN Scanner

पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक..... दिनांक.....

भातखंडे संगीत एवं संस्कृति विश्वविद्यालय के शासनादेश संख्या–1992/चार/2023 दिनांक 16.06.2023 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में सत्र–2024–25 में पं0 दीन दयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब का गठन किया गया था। सत्र की समाप्ति के पश्चात् सत्र 2025–26 के लिये सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियों के संचालन हेतु क्लब का पुर्नः गठन किया गया जो निम्नवत् है–

पं0 दीनदयाल उपाध्याय, अवध सांस्कृतिक क्लब समिति

1. मुख्य संरक्षक/अध्यक्ष– प्रो0(डॉ0) सुषमा देवी, प्राचार्य
2. कल्चरल क्लब प्रभारी– प्रो0 प्रीति वाजप्पे
3. सहायक क्लब प्रभारी– डॉ0 निशी मिश्रा

कल्चरल क्लब प्रबन्धन समिति–

1. इंचार्ज– डॉ0 सुरंगमा यादव
2. समन्वयक– डॉ0 प्रज्ञा मिश्रा
3. कोषाध्यक्ष– श्रीमती साधना सिंह यादव
4. सचिव– डॉ0 पूनम पाण्डेय

Scanned with OKEN Scanner

गौरव गान

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

ये लखनऊ का दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय है।
कला विज्ञान का वाणिज्य के ज्ञान का, उत्कृष्ट शिक्षालय है
ये लखनऊ का दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय है।

ज्ञान से स्नान सभी शिक्षक कराते हैं,
निष्णात भी यहाँ शिक्षक बनाते हैं,
शोध से विकास कर रहे हैं।
ये लखनऊ का दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय है।

क्रीड़ा, एन.सी.सी. से स्वस्थ हैं बनाते,
रेंजर्स, एन.एस.एस. हैं सेवक बनाते,
व्यक्तित्व में निखार ला रहे हैं।
ये लखनऊ का दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय है।

अटल जी के सत्कर्मों का फल है ये आँगन,
दीनदयाल जी की स्मृति का है प्रांगण,
उनके ही मार्ग पर चल रहे हैं।
ये लखनऊ का दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय है।

नाटक या नृत्य हो, संगीत हो या गायन,
दीनदयाल कल्चरल क्लब के आयोजन,
सांस्कृतिक उत्थान कर रहे हैं।
ये लखनऊ का दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय है।

Scanned with OKEN Scanner

शपथ

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

मैं सांस्कृतिक क्लब की जिम्मेदार सदस्य होने के नाते यह शपथ लेती हूँ कि मैं अपन कला, संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए सदैव समर्पित रहूंगी।

मैं सृजनात्मकता, सौहार्द और सहयोग की भावना को बनाए रखते हुये, सांस्कृतिक गतिविधियों में पूरे उत्साह, मनोयोग एवं ईमानदारी से प्रतिभाग करूँगी।

मैं विविधताओं का सम्मान करुंगी तथा समाज में कला एंव संस्कृति की सकारात्मक भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहूंगी।

मैं भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु पूर्ण निष्ठा से कार्य करुंगी तथा अपने सांस्कृतिक क्लब पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब की गरिमा बनाए रखूँगी।

जय हिन्द !

Scanned with OKEN Scanner

पं० दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

राजाजीपुरम, लखनऊ

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

सत्र – 2024–25



सांस्कृतिक क्लब पदाधिकारी

मुख्य संरक्षक/अध्यक्ष –	प्रो० सुषमा देवी (प्राचार्य)
सांस्कृतिक क्लब प्रभारी –	प्रो० प्रीति वाजपेयी
सांस्कृतिक क्लब इंचार्ज –	प्रो० सुरंगमा यादव
सांस्कृतिक क्लब सह प्रभारी –	डॉ० निशी मिश्रा
सांस्कृतिक क्लब समन्वयक –	डॉ० प्रज्ञा मिश्रा
सांस्कृतिक क्लब कोषाध्यक्ष –	डॉ० साधना सिंह यादव
सांस्कृतिक क्लब सचिव –	डॉ० पूनम पाण्डेय

Scanned with OKEN Scanner

पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक.....

दिनांक.....

छात्रा सदस्य कल्चरल क्लब

क्र0सं0	छात्राओं के नाम	कक्षा
1	अनुश्री	बी0ए0 द्वितीय वर्ष
2	सामया	बी0एससी0 तृतीय वर्ष
3	वैभवी	बी0एससी0 तृतीय वर्ष
4	मनीषा अवस्थी	बी0ए0 तृतीय वर्ष
5	निशी शुक्ला	बी0ए0 तृतीय वर्ष
6	सिमरन	बी0ए0 द्वितीय वर्ष
7	शिवानी रावत	बी0ए0 तृतीय वर्ष
8	स्नेहा कश्यप	बी0ए0 प्रथम वर्ष
9	मोना यादव	बी0ए0 प्रथम वर्ष
10	राधा गुप्ता	बी0कॉम0 प्रथम वर्ष
11	वैष्णवी वाजपेई	बी0ए0 प्रथम वर्ष
12	हंसिका थापा	बी0ए0 प्रथम वर्ष
13	पूनम प्रजापति	बी0ए0 प्रथम वर्ष
14	उर्वशी सैनी	बी0ए0 प्रथम वर्ष
15	एकता पाण्डेय	एम0ए0 द्वितीय वर्ष
16	शिवानी बाजपेई	एम0ए0 द्वितीय वर्ष
17	वैष्णवी बाजपेई	बी0ए0 प्रथम वर्ष
18	शालिनी यादव	बी0ए0 द्वितीय वर्ष
19	अनन्या कनौजिया	बी0ए0 प्रथम वर्ष
20	सरिता	बी0ए0 तृतीय वर्ष
21	अनुप्रिया पटेल	बी0ए0 द्वितीय वर्ष
22	अदिति यादव	एम0ए0 द्वितीय वर्ष
23	दृष्टि कनौजिया	बी0ए0 द्वितीय वर्ष
24	मौली रावत	बी0एससी0 तृतीय वर्ष
25	सोनम वर्मा	बी0ए0 द्वितीय वर्ष
26	पलक राज	बी0ए0 प्रथम वर्ष
27	खुशबू गौतम	बी0ए0 प्रथम वर्ष
28	सृष्टि मिश्रा	बी0ए0 प्रथम वर्ष
29	वंदना पाल	बीए0 प्रथम वर्ष
30	शगुन राठौर	बी0ए0 प्रथम वर्ष

Scanned with OKEN Scanner

पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

(27)

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक.....

दिनांक 01-09-2025

कल्चरल क्लब की गतिविधियाँ

1. भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन
2. राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय दिवसों का आयोजन
3. प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यान/वार्ता का आयोजन
4. अवध क्षेत्र की ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण, अध्ययन व शोधकार्य
5. वाधयन्त्र/नृत्य कला पर कार्यशाला (पांच दिवसीय) का आयोजन
6. क्षेत्रीय कलाकारों एवं विद्वानों से साक्षात्कार/पॉडकास्ट
7. स्थानीय कलाकारों की कला की प्रदर्शनी
8. लोक भाषा के गीत, लोकगीत, नृत्य आदि को सीखना–सिखाना एवं प्रर्दशन
9. पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित पुरातत्व स्मारकों का संरक्षण व अध्ययन
10. ज्वलंत मुद्दों पर पद का यात्रा का आयोजन
11. महाविद्यालय को रंगोली, अल्पनाओं से सजाना
12. महाविद्यालय में औषधीय वाटिका लगवाना
13. भारत की श्रेष्ठ संस्कृति पर आधारित वाद–विवाद प्रतियोगिता/पोस्टर प्रतियोगिता/भाषण प्रतियोगिता/निबन्ध लेखन प्रतियोगिता/स्लोगन लेखन प्रतियोगिता/रंगोली प्रतियोगिता/मेहंदी प्रतियोगिता
14. महाविद्यालय को रंगोली, अध्ययन से सजाना
15. विभिन्न राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन
16. सांस्कृतिक पर्वों का आयोजन
17. पारम्परिक हस्तशिल्प कार्यशाला एवं प्रदर्शनी
18. भारत के इतिहास व कला पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन
19. विशेष चुनौती तथा अधिकार वंचित बच्चों को आमंत्रित करना तथा उनके साथ कार्य करना
20. स्थानीय प्रकाशकों की बच्चों एवं युवा वर्ग से संबंधित पुस्तकों/लेखों की प्रदर्शनी लगाना

1.
2.
3. Pragya
4. Sweta
5.
6. Nighat

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृति क्लब के संयुक्त तत्वावधान में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत राखी मेकिंग प्रतियोगिता

6 अगस्त 2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत राखी मेकिंग आयोजन प्राचार्य महोदया प्रोफेसर सुषमा देवी के कुशल दिशानिर्देशानुसार आज दिनांक 6 अगस्त 2025 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के अंतर्गत सद्भावना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ निशी मिश्रा एवं सदस्य श्रीमती साधना सिंह यादव एवं प्रेरणा इकाई की श्रीमती किरण लता वर्मा सदस्य डॉ पूनम पांडेएवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृति क्लब के प्रभारी प्रोफेसर प्रीति वाजपेयी एवं अन्य पदाधिकारी के संयुक्त सहयोग के द्वारा किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं को सांस्कृतिक मान्यताओं का ज्ञान प्रदान करना एवं उनमे अन्तरनिहित प्रतिभाओं को उजागर करना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय की 22 छात्राओं द्वारा देश के वीर जवानों के लिए राखी उत्साह पूर्वक बनाई गई जिनमे क्षमा सिंह (BA1)ने प्रथम, प्रतिभा सिंह (BSC 1) ने द्वितीय एवं पलक राज(BA 1) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य महोदया प्रोफेसर सुषमा देवी ने छात्राओं को राखी बनाने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की 70 स्वयं सेविकाएं उपस्थिति रही, एवं भविष्य में होने वाली इस प्रकार की कलात्मक गतिविधियों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रोफेसर सुरंगमा यादव, डॉ मिशु सिंह, डॉ प्रज्ञा मिश्रा, डॉ अमितेंद्र सिंह, डॉ विशाल वर्मा एवं अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।



कार्यक्रम अधिकारी

प्रोफेसर सुषमा देवी
प्राचार्य
Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhyalay,
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृति मण्डलम के संयुक्त तत्वाधान में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता

6 अगस्त 2025

आज दिनांक 6 अगस्त 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम , लखनऊ में प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) सुषमा देवी जी के कुशल नेतृत्व व राष्ट्रीय सेवा योजना प्रेरणा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरण लता वर्मा व सद्भावना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ निशी मिश्रा व सदस्य डॉ साधना सिंह यादव व डॉ पूनम पांडे और पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृति मण्डलम की प्रभारी प्रोफेसर प्रीति वाजपेयी एवं अन्य पदाधिकारी के संयुक्त सहयोग के द्वारा किया गया। नेतृत्व में स्वयंसेविकाओं ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 की श्रृंखला के अंतर्गत महाविद्यालय की दीवारों पर तिरंगा से प्रेरित वॉल पेंटिंग के द्वारा महाविद्यालय को सजाया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त छात्रोंओ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समस्त स्वयंसेविकाओं ने वॉल पेंटिंग कर रही छात्राओं का उत्साहवर्धन किया । 18 छात्राओं ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और महाविद्यालय की 72 छात्राये उपस्थित रही। पलक राज बी ए - प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, स्वाति सोनी बी ए - प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान तथा गायत्री त्रिपाठी व प्रियांशी सिंह बीएससी प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।



कार्यक्रम अधिकारी

प्रोफेसर सुषमा देवी
प्राचार्य
Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक..... दिनांक..14 अगस्त 2025..

आज दिनांक 14 अगस्त 2025 को भारत के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय की पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृत क्लब की छात्राओं ने क्राफ्टिंग के माध्यम से सेल्फी प्वाइंट बनाया एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत क्राफ्ट के माध्यम से महाविद्यालय को विभिन्न कलाकृतियों से सजाया। महाविद्यालय में क्लब की छात्राओं द्वारा निर्मित सेल्फी पॉइंट पर सभी प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने सेल्फी ली तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय को मनोयोग से सजाया एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभाग किया। क्लब की छात्राओं ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करने में सहयोग किया तथा राष्ट्रगीत वंदे मातरम की सस्वर प्रस्तुति की। इस अवसर पर एक लघु नाटिका भी क्लब की छात्राओं ने प्रस्तुत की। छात्राओं की प्रस्तुति से महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं प्राचार्य अत्यंत उत्साहित एवं प्रसन्न दिखे। प्राचार्य महोदया प्रोफेसर (डॉ०) सुषमा देवी ने क्लब के कार्यों की एवं गतिविधियों की भूरी- भूरी प्रशंसा की उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृत क्लब के माध्यम से आयोजित किए गए कार्यक्रमों ने स्वतंत्रता दिवस के इस आयोजन को भव्य बना दिया है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली सभी छात्राओं को आशीर्वाद दिया एवं उनके सफल भविष्य की उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा कार्यक्रम का सफल संचालन क्लब इंचार्ज प्रोफेसर(डॉ०) सुरंगमा यादव ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन क्लब प्रभारी प्रोफेसर (डॉ०) प्रीति वाजप्ये ने किया, कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

Principal
Upadhyay

Scanned with OKEN Scanner



Scanned with OKEN Scanner

(3) (22)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

मिशन शक्ति 5.0, राष्ट्रीय सेवा योजनाएवंपंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृत क्लब के संयुक्त तत्वावधान में

गांधी जयंती व शास्त्री जयंती पर संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का भव्य आयोजन02/10/2025

पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ में स्वतंत्रता के अमृतकाल में संविधान के अंगीकरण के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। यह आयोजन केवल स्मरण का नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों से जोड़ने का भी एक सशक्त प्रयास रहा।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुषमा देवी ने गांधी जी और शास्त्री जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण कर उन्हें नमन किया। इसी क्रम में उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की और संविधान की मूल भावना–समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व–को आत्मसात करने का आह्वान किया। इसके साथ ही पंडित दीन दयाल जी की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ निशी मिश्रा के नेतृत्व में स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय में स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत श्रमदान कर स्वच्छता और सेवा का संदेश दिया।

समारोह का संचालन समारोहिका प्रो. (डॉ.) रीता अग्निहोत्री ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वधर्म प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें छात्राओं ने गीता पाठ, गुरुग्रंथ साहिब का पाठ, बाइबिल का पाठ और कुरान का पाठ प्रस्तुत कर सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इसके पश्चात प्राध्यापकों और छात्राओं ने मिलकर भजन "वैष्णवजनतेनेकहिए"कासामूहिकगायनकरगांधीजीकोसच्चीश्रद्धांजलिदी।छात्राओंनेविभिन्नगीतोंएवंभाषणकेमाध्यमसेमहत्मागांधीएवंशास्त्रीजीकोयादकिया।इस अवसर पर डॉ स्मिता पांडे, डॉ प्रज्ञा मिश्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए महापुरुषों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।डॉ. निशी मिश्रा ने अपने वक्तव्य में गांधी जी के सत्य और अहिंसा के संदेश, शास्त्री जी की सादगी व उनके "जयजवानजयकिसान"केउद्घोषतथाडॉ. अंबेडकरकीसंविधान-निर्माणयात्रापरप्रकाशडाला।उन्होंनेछात्राओंकोप्रेरितकरतेहुएकहाकिइनमहापुरुषोंकेविचारआजभीउतनेहीप्रासंगिकहैंजितनेस्वतंत्रतासंग्रामकेसमयथे।

इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, मिशन शक्ति (फेज-**5**) और पंडित दीन दयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के अधिकारों पर स्लोगनके माध्यमसे

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रो. (डॉ.) प्रीति वाजपेयी एवं डॉ. निधी मिश्रा ने किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्लोगनों ने सामाजिक चेतना और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुषमा देवी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री और डॉ. अंबेडकर जैसी विभूतियों का जीवन हमें सादगी, सत्यनिष्ठा, सेवा और न्याय की राह दिखाता है। उन्होंने "कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" भगवद्गीता का एक प्रसिद्ध संस्कृत श्लोक के माध्यम से छात्राओं को राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और संविधान की मूल भावना के संरक्षण हेतु सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समारोह का समापन रामधुन के सामूहिक गायन के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और राष्ट्रीयता की भावना से ओत-प्रोत कर दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की 197 छात्राएं उपस्थित रही जिन्होंने उत्साह पूर्वक इस दिवस को मनाया तथा समस्त प्राध्यापकों की गरिमामय उपस्थिति रही।



कार्यक्रम अधिकारी

प्रोफेसर सुषमा देवी

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Ravindpuram

पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक..... दिनांक..17 अक्टूबर 2025...

आज आज दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के तत्वावधान में महाविद्यालय में दीपोत्सव मनाया गया ।प्राचार्य महोदया प्रोफेसर डॉक्टर सुषमा देवी के कुशल नेतृत्व में इस पर्व को महाविद्यालय में अत्यंत हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया । छात्राओं ने अत्यधिक उत्साह से इसमें भाग लिया उन्होंने विभिन्न प्रकार की रंगोली, लांटर्न, दीपक एवं फूलों के साथ महाविद्यालय को बहुत जतन से सजाया ।संपूर्ण महाविद्यालय दीपकों की रोशनी से चमक उठा । इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्यों ने अपना योगदान देते हुए इस आयोजन को सफल बनाया । छात्राओं ने कुछ पटाखे भी छुड़ाएं । कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश जी और लक्ष्मी जी की आरती से हुआ छात्राओं ने इस अवसर पर प्रस्तुतियां भी दी ।महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ इस पर्व को अत्यधिक उत्सुकता से मनाया गया । कल्चरल क्लब प्रभारी डॉक्टर प्रीति वाजप्ये ने दीपावली के आयोजन विषय में जानकारी दी साथ ही उन्होंने कहा कि यह श्रेष्ठ भारतीय संस्कृति का एक विशिष्ट नमूना है संपूर्ण विश्व इस त्योहार से जुड़ना चाहता है,उन्होंने भारतीय संस्कृति को श्रेष्ठ बताते हुए इस प्रकार के उत्सव को जीवन में एक नया उत्साह भरने करने के लिए आवश्यक बताया ।इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० सुषमा देवी ने कहा कि मात्र भारत ही एक ऐसा देश है जहां विभिन्न त्योहार मनाया जाते हैं जिसमें दीपावली अत्यंत श्रेष्ठ त्यौहार है क्योंकि यह न सिर्फ दीप उत्सव का अवसर होता है इसमें हमारी संस्कृति की विशेषता साफ-सफाई को पहले प्राथमिकता दी जाती है उसके पश्चात घर को आंगन को दीपों के माध्यम से सजाया जाता है। फूलों और दीपकों की खुशबू से

Principal
Deen Dayal Upadhy
Mahila Snatkottar Mah
Rajajipuram, Lucknow

खुशबू से महाविद्यालय आज शोभाएमान हो रहा है इसको देखकर हृदय अत्यंत प्रफुल्लित हो रहा है उन्होंने अपने उदबोधन में इस त्यौहार की शुभकामनाएं महाविद्यालय परिवार और सभी छात्राओं को दीं । कार्यक्रम में सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा ।



Principal
Vidyawati Upadhyay
Degree College
Gomtinagar, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पं० दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

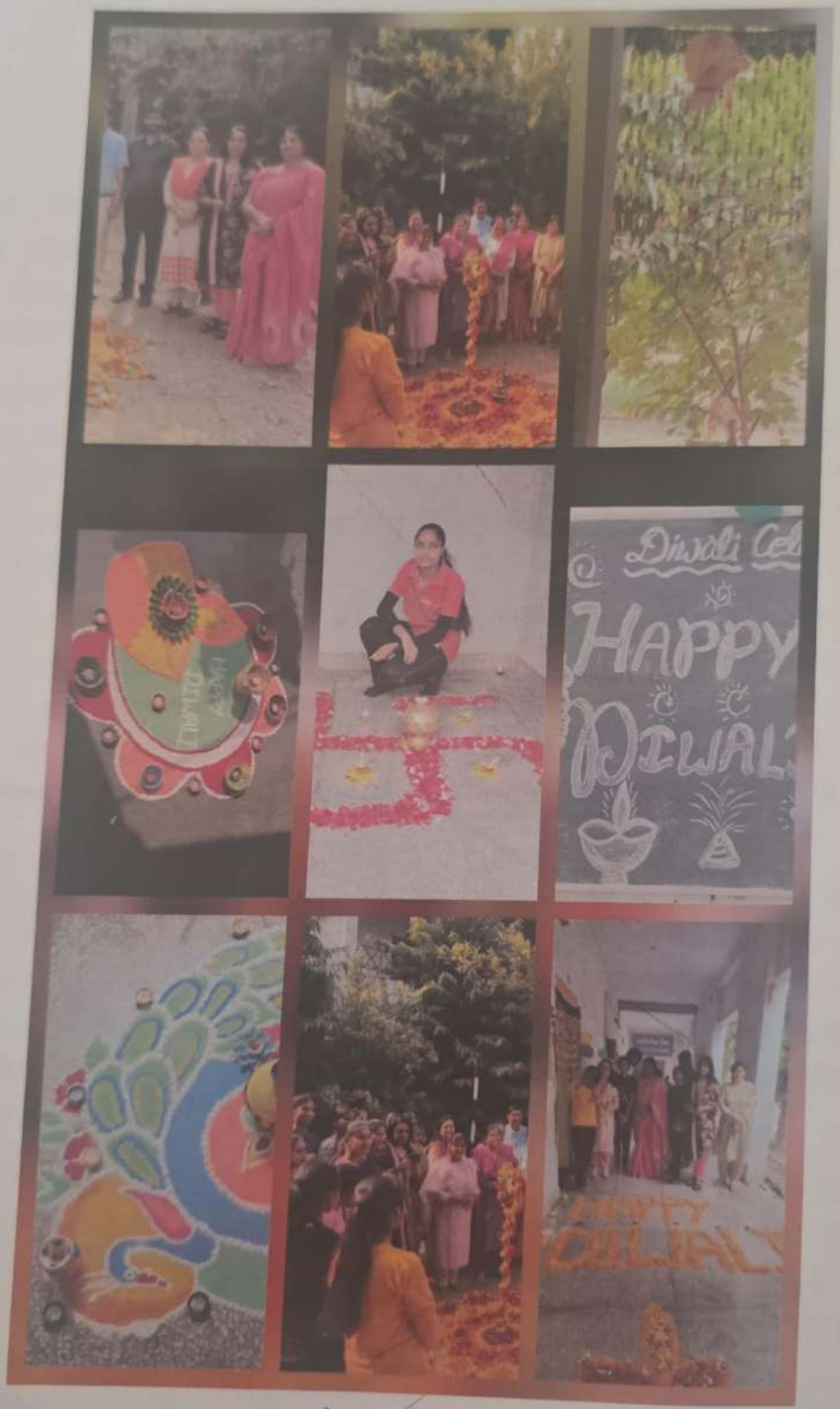
पत्रांक..... दिनांक..17 अक्टूबर 2025

आज आज दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के तत्वावधान में महाविद्यालय में दीपोत्सव मनाया गया ।प्राचार्य महोदया प्रोफेसर डॉक्टर सुषमा देवी के कुशल नेतृत्व में इस पर्व को महाविद्यालय में अत्यंत हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया । छात्राओं ने अत्यधिक उत्साह से इसमें भाग लिया उन्होंने विभिन्न प्रकार की रंगोली, लांटर्न, दीपक एवं फूलों के साथ महाविद्यालय को बहुत जतन से सजाया ।संपूर्ण महाविद्यालय दीपकों की रोशनी से चमक उठा । इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्यों ने अपना योगदान देते हुए इस आयोजन को सफल बनाया । छात्राओं ने कुछ पटाखे भी छुड़ाएं । कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश जी और लक्ष्मी जी की आरती से हुआ छात्राओं ने इस अवसर पर प्रस्तुतियां भी दी ।महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ इस पर्व को अत्यधिक उत्सुकता से मनाया गया । कल्चरल क्लब प्रभारी डॉक्टर प्रीति वाजप्ये ने दीपावली के आयोजन विषय में जानकारी दी साथ ही उन्होंने कहा कि यह श्रेष्ठ भारतीय संस्कृति का एक विशिष्ट नमूना है संपूर्ण विश्व इस त्योहार से जुड़ना चाहता है,उन्होंने भारतीय संस्कृति को श्रेष्ठ बताते हुए इस प्रकार के उत्सव को जीवन में एक नया उत्साह भरने करने के लिए आवश्यक बताया ।इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० सुषमा देवी ने कहा कि मात्र भारत ही एक ऐसा देश है जहां विभिन्न त्योहार मनाया जाते हैं जिसमें दीपावली अत्यंत श्रेष्ठ त्यौहार है क्योंकि यह न सिर्फ दीप उत्सव का अवसर होता है इसमें हमारी संस्कृति की विशेषता साफ-सफाई को पहले प्राथमिकता दी जाती है उसके पश्चात घर को आंगन को दीपों के माध्यम से सजाया जाता है। फूलों और दीपकों की खुशबू से

Principal
Deen Dayal Upadh
Mahila Snatkottar M
Rajajipuram, Luc

Scanned with OKEN Scanner

खुशबू से महाविद्यालय आज शोभाएमान हो रहा है इसको देखकर हृदय अत्यंत प्रफुल्लित हो रहा है उन्होंने अपने उदबोधन में इस त्यौहार की शुभकामनाएं महाविद्यालय परिवार और सभी छात्राओं को दीं । कार्यक्रम में सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा ।



Principal
Vijaya Upadhyay
Balkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

मिशन शक्ति 5.0, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजनाके संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम

07/11/2025

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुषमा देवी के संरक्षण मेंमिशन शक्ति, पंडित दीन दयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान मेंसेल्फ डिफेंस (आत्मरक्षा) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्री मनोज वर्मा, असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि श्री पीयूष कुशवाहा ने छात्राओं को ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों एवं आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अतिथियों ने छात्राओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने के लिए प्रेरित किया तथा दैनिक जीवन में आत्मरक्षा के कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्राचार्य महोदया ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को जीवन में निरंतरता के महत्व को बताया एवं बचाव से आक्रमण ज्यादा महत्वपूर्ण है इसके बारे में छात्राओं को समझाया तथा 'अति सर्वत्र वर्जते' श्लोक के अर्थ को भी समझाया कि किसी भी चीज की अति हमारे लिए कभी भी अच्छी नहीं होती है अतः हमें अपने जीवन को अनुशासित रखने का प्रयास करना चाहिए ।आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं 186 छात्राओं ने प्रतिभाग किया एवं कार्यशाला से लाभ अर्जित किया

कार्यशाला में छात्राओं को ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों एवं आत्मरक्षा के व्यावहारिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में छात्राओं को ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों जैसे किक, ब्लॉक, पंच और सेल्फ डिफेंस मूव्स का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।मुख्य अतिथि एवं प्रशिक्षकों ने छात्राओं को ताइक्वांडो की विविध तकनीकों के माध्यम से आत्म रक्षा के गुर सिखाए। कार्यशाला में आत्मरक्षा की दिशा में छात्राओं को ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों और दैनिक जीवन में उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापक प्रोफेसर रीता अग्निहोत्री,प्रोफेसर शीलधर दुबे, प्रोफेसर प्रीति वाज्पेयी, प्रोफेसर प्रियंका शर्मा, श्रीमती किरण लता वर्मा, डॉ. निशी मिश्रा तथा श्रीमती साधना सिंह यादव का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर प्रीति वाज्पेयी तथा श्रीमती साधना सिंह यादव के द्वारा संयुक्त रूप मे किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ निशी मिश्रा द्वारा किया गया।

Scanned with OKEN Scanner





कार्यक्रम अधिकारी

प्रोफेसर (सुषमा देवी)
प्राचार्य

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Shakotar Mahavidhyalay
Rakabganj Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

मिशनशक्ति 5.0, इंस्टिट्यूशन इन्नोवेशन काउंसिल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में

महिला उद्यमिता की ओर बढ़ते कदम

19/11/2025

महाविद्यालय में मिशन शक्ति, इंस्टिट्यूशन इन्नोवेशन काउंसिल, राष्ट्रीय सेवा योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 19 नवंबर 2025 को महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाकर 'एक कदम उद्यमिता की ओर बढ़ने का' प्रयास किया गया। छात्राओं द्वारा ई-बिजनेस मॉडल, कैंडल मेकिंग बिजनेस मॉडल के रूप में अपनी कल्पनाओं को बताया, इसके अतिरिक्त छात्राओं ने पानी पुरी टिक्की, भलपुरी, मोमोज, समोसा, सैंडविच, कोल्ड कॉफी, ढोकला, रसमलाई, पोहा इत्यादि के स्टॉल लगाए। छात्राओं द्वारा कॉस्मेटिक एवं कपड़ों का स्टॉल भी लगाया गया। समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय प्रोफेसर अखिलेश कुमार के संरक्षण एवं श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती कारण लता वर्मा एवं डॉ निशी मिश्रा के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। आयोजन में कुल 186 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।



कार्यक्रम अधिकारी

19/11/25

प्रधानाचार्या
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidhyala
Rajajipuram Lucknow

(13) (39)

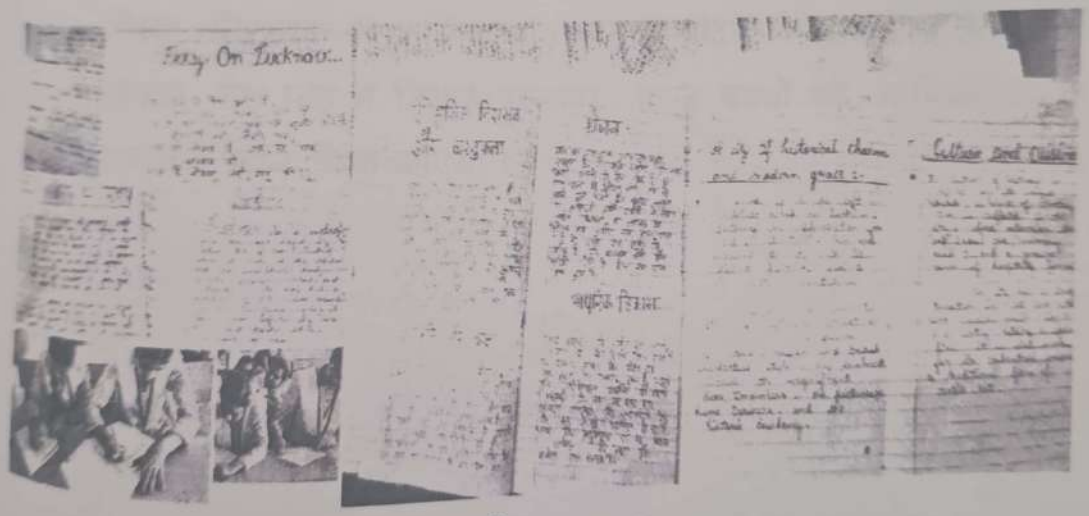
पंडितदीनदयालउपाध्यायराजकीयमहिलास्नातकोत्तरमहाविद्यालयराजाजीपुरमलखनऊ

मिशनशक्ति 5.0,

पंडितदीनदयालउपाध्यायअवधसांस्कृतिकक्लबएवंराष्ट्रीयसेवायोजनाकेसंयुक्ततत्वावधानमें

22/11/2025

आज दिनांक 22 नवंबर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ में प्राचार्य प्रोफेसर अखिलेश कुमार जी के संरक्षण संरक्षण में राष्ट्रीय सेवा योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब एवं मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में विश्व विरासत सप्ताह (19 नवंबर से 25 नवंबर) के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला में निबंध लेखन का आयोजन महाविद्यालय में किया गया यह आयोजन श्रीमती साधना सिंह यादव एवं डॉ निशी मिश्रा के कुशल दिशा निर्देशन के अंतर्गत किया गया, जिसमें महाविद्यालय की कुल 23 छात्राओं ने प्रतिभाग किया एवं विषय "लखनऊ की विरासत" में अपने अनमोल विचारों को प्रकट किया।



कार्यक्रम अधिकारी

22/11/25

प्राचार्या
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पं० दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

(40)

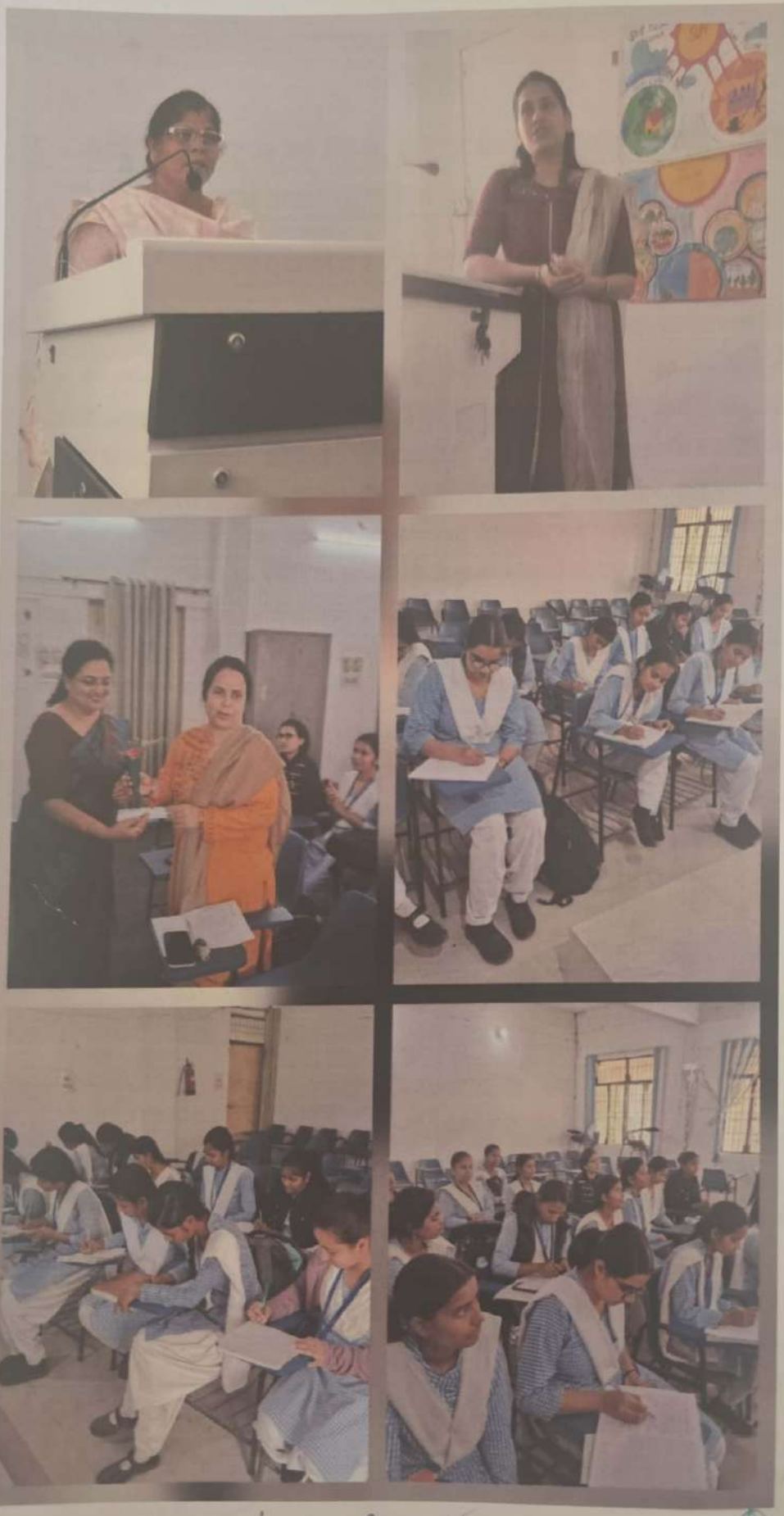
पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक.....

दिनांक..12 जनवरी 2026...

आज दिनांक 12 जनवरी 2026 को महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के तत्वावधान में प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ०) सुषमा देवी के मार्गदर्शन में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में 24 छात्राओं ने प्रतिभाग किया । निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय "भारतीय संस्कृति की विशेषता एवं उसकी प्रासंगिकता "था । इस विषय पर छात्राओं ने श्रेष्ठ निबंध लेखन किया तथा प्रथम स्थान पर मनीषा अवस्थी बी०ए० थर्ड ईयर द्वितीय स्थान पर शिवानी रावत बी०ए० थर्ड ईयर एवं तृतीय स्थान पर वैष्णवी वाजपेई बी०ए० फर्स्ट ईयर रही । सभी प्रतिभागियों के निबंध उच्च कोटि के थे एवं समस्त छात्राओं ने मनोयोग से इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया । निर्णायक की भूमिका प्रो० सुरंगमा यादव, प्रोफेसर रीता अग्निहोत्री एवं डॉक्टर मीशू सिंह ने निभाई पुरस्कार प्राप्त बच्चों को वार्षिकोत्सव के समय सम्मान प्रदान किया जाएगा ।

Principal



Principal
Maharaja Sudhakar Pandey Upadhyay
Rajkiya Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

इनोवेशन इंस्टिट्यूट काउंसिल, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वावधान में

16 जनवरी 2026 राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस

आज दिनांक 16 जनवरी 2026 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर सुषमा देवी जी की अध्यक्षता में इनोवेशन इंस्टिट्यूट काउंसिल, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. अमितेंद्र सिंह, अर्थशास्त्र विभाग ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस की उपयोगिता तथा नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला तथा व्यवसाय और स्टार्टअप के अंतर को भी छात्राओं को समझाया। अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. निशी मिश्रा ने स्टार्टअप प्रारंभ करते समय ध्यान रखने योग्य मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की और बताया कि स्टार्टअप के विचार समाज की मांग के अनुरूप होने चाहिए तथा उनका सही तरीके से लोगों तक पहुँचना आवश्यक है। उन्होंने अपने द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प का उदाहरण प्रस्तुत कर छात्राओं को नया स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित किया। वाणिज्य विभाग से डॉ. विशाल वर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें नौकरी करने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनना चाहिए। विकसित भारत के निर्माण में हमारी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस दिवस को महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष उद्यमोत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुषमा देवी जी ने आशीर्वचन स्वरूप छात्राओं को बताया कि स्टार्टअप प्रारंभ करते समय नवाचार के साथ-साथ समाज की परिवर्तित मांगों को ध्यान में रखना चाहिए तथा दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती साधना सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुल 167 छात्राएं उपस्थित रहीं तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों कार्यक्रम अधिकारी एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही।





कार्यक्रम अधिकारी

1
2
3
4

प्राचार्य
Principal
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidhyalay
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

(43)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

शैक्षिक भ्रमण , बड़ा इमामबाड़ा

दिनांक : 28 मार्च 2026

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ में प्राचार्य महोदया प्रोफेसर सुषमा देवी जी के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 28 मार्च 2026 को एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से अवगत कराना तथा उनके ज्ञान में व्यावहारिक वृद्धि करना था।

यह शैक्षिक भ्रमण लखनऊ के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल बड़ा इमामबाड़ा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरण लता वर्मा, डॉ. निशि मिश्रा तथा सांस्कृतिक क्लब प्रभारी प्रोफेसर प्रीति वाजप्पे के नेतृत्व में छात्राओं ने इस भ्रमण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। भ्रमण के दौरान छात्राओं को बड़ा इमामबाड़ा के ऐतिहासिक महत्व, इसकी स्थापत्य कला तथा नवाब आसफ-उद-दौला द्वारा इसके निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से 'भूल-भुलैया' की संरचना एवं उसकी जटिल वास्तुकला ने छात्राओं को अत्यंत आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त, विशाल केंद्रीय हॉल की बिना सहारे की बनी छत तथा रूमी दरवाजा की भव्यता ने सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर छात्राओं ने न केवल ऐतिहासिक तथ्यों को जाना, बल्कि समूह में कार्य करने, अनुशासन बनाए रखने तथा सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के महत्व को भी समझा। शिक्षकों ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया।

अंततः यह शैक्षिक भ्रमण अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इस प्रकार के कार्यक्रम छात्राओं के समग्र विकास में सहायक होते हैं तथा उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक बनाते हैं।

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Rajajipuram- Lucknow

Scanned with OKEN Scanner



कार्यक्रम अधिकारी

प्राचार्य

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhy
Rajajipuram Lucknow

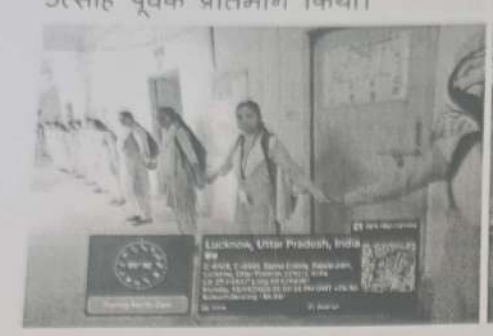
पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ
मिशन शक्ति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान दिनांक 13 अप्रैल 2026

आज दिनांक 13 अप्रैल 2026 को उच्च शिक्षा विभाग के आदेश के अनुपालन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ में प्राचार्य महोदया प्रोफेसर सुषमा देवी जी के कुशल नेतृत्व में समस्त महिला प्राध्यापक गण , कर्मचारियों एवं छात्राओं द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रचार अभियान 'कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत मिशन शक्ति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में एक मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से नारी शक्ति की सहभागिता रही जिन्होंने सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की। इसके पश्चात प्राचार्य महोदया प्रोफेसर सुषमा देवी के कुशल दिशा निर्देशन में एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्राओं एवं महिला प्राध्यापकों द्वारा शपथ ली गई- " मैं भारत की नारी शक्ति का वंदन और सशक्तिकरण करने की शपथ लेती हूं, मैं नारी शक्ति में विश्वास रखती हूं और ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हूं, जहां महिलाओं को समान अधिकार सुरक्षा और नेतृत्व के अवसर मिले, मैं निर्णय लेने और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अभिनंदन अधिनियम का समर्थन करने का संकल्प लेती हूं, मैं अपने राष्ट्र की सभी बेटियों और बहनों के सम्मान और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हूं ताकि विकसित भारत 2047 लक्ष्य में अपना रूप योगदान दे सकूं" का आयोजन किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय परिसर से कुंवर ज्योति प्रसाद बोर्ड मलिन बस्ती तक नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रचार अभियान के अंतर्गत एक रैली का आयोजन भी किया गया जिसमें जन समूह को नारी के प्रति संवेदनशीलता एवं उसके कर्तव्य एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया साथ ही उसके कार्यों को सराहना देकर नारी के मनोबल को बढ़ाने के लिए जागरूकता एवं प्रचार किया गया तथा समस्त प्राध्यापक तथा छात्राओ ने इस अभियान के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान में भी प्रतिभागी किया उपयुक्त कार्यक्रम महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगणों के साथ मिशन शक्ति प्रभारी प्रोफेसर प्रीति वाज्प्ये तथा श्रीमती साधना सिंह यादव, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरण लता

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya

Scanned with OKEN Scanner

वर्मा डॉ निशी मिश्रा के सहयोग से सफल हुआ कार्यक्रम में महाविद्यालय की 156 छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।











कार्यक्रम अधिकारी

Aman Saini
Nishi Sharma

प्राचार्य
Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidy
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मिशन शक्ति (नारी शक्ति वंदन अधिनियम)

दिनांक : 16 अप्रैल 2026

पोषण पखवाड़ा (आठवां संस्करण)

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ दिनांक 16 अप्रैल 2026 को पोषण पखवाड़ा के आठवें संस्करण के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ान शक्ति (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं के लिए एक पोस्टर ियोगिता का सफल आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुषमा देवी जी के संरक्षण एवं राष्ट्रीय ा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरण लता वर्मा एवं डॉ निशि मिश्रा के द्वारा किया गया। इस र्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को नात्मक माध्यम से प्रस्तुत करना था।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया के संरक्षण एवं शिक्षकों के ादर्शन में किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक ग लिया। छात्राओं ने "संतुलित आहार", "कुपोषण से मुक्ति", "स्वस्थ भारत", "पोषण और स्वच्छता" जैसे यों पर आकर्षक एवं संदेशपूर्ण पोस्टर तैयार किए। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं की रचनात्मकता, ारशीलता एवं प्रस्तुति कौशल देखने योग्य थे। उनके पोस्टरों में न केवल कलात्मकता झलक रही थी, ल्कि समाज के लिए एक सशक्त संदेश भी निहित था। निर्णायक मंडल द्वारा पोस्टरों का मूल्यांकन यवस्तु, प्रस्तुति, सृजनात्मकता एवं संदेश की प्रभावशीलता के आधार पर किया गया ।

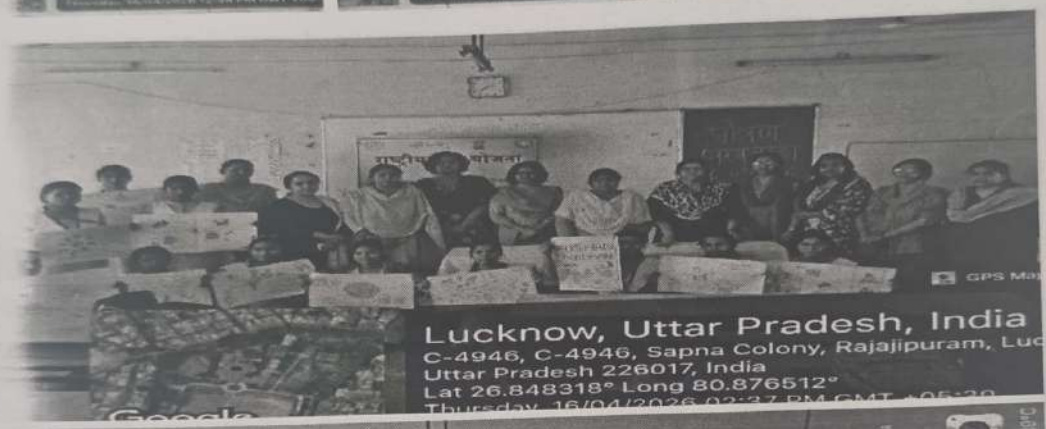
कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया तथा ी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने छात्राओं को संतुलित ार अपनाने एवं समाज में पोषण संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार, यह टर प्रतियोगिता न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास में भी सहायक सिद्ध । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की 146 छात्राये उपस्थित रही एवं महाविद्यालय के दस प्राध्यापक स्थित रहे ।

कार्यक्रम का समापन श्रीमती किरण लता वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी िभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

Scanned with OKEN Scanner







कम अधिकारी

प्राचार्य

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्ना
लखनऊ में दिनांक 17 अप्रैल 2026 को पोषण पखवाड़ा (आठवां
एक स्लोगन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्य
मिशन शक्ति (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के संयुक्त तत्वावध
कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की आदरणीय प्राचार्य प्रोफे
गया। इस आयोजन का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम
डॉ. निशि मिश्रा एवं मिशन शक्ति के प्रभारी प्रोफेसर प्रीति
कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पोषण के प्रति जाग
समझाना तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक संदेश

छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए
कुपोषण, संतुलित आहार, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैल
किया। प्रतिभागियों ने अपने विचारों में यह संदेश दिया
तथा "स्वस्थ नारी, सशक्त समाज की पहचान है।" का
सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जागरूकता का विकास हुआ।
कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्राओं द्वारा नुक्कड़ ना
नारियों को उचित स्थान दिलाए जाने के संबंध में था
लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम क्यों आवश्यक है प
अधिकारियों द्वारा सभी प्रतिभागिय

Scanned with OKEN Scanner

(50)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ

दिनांक : 17 अप्रैल 2026

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मिशन शक्ति (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के अन्तर्गत पोषण पखवाड़ा (आठवां संस्करण) स्लोगन एवं नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ में दिनांक 17 अप्रैल 2026 को पोषण पखवाड़ा (आठवां संस्करण) के अंतर्गत छात्राओं के लिए एक स्लोगन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं मिशन शक्ति (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की आदरणीय प्राचार्य प्रोफेसर सुषमा देवी जी के संरक्षण में किया गया। इस आयोजन का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरण लता वर्मा एवं डॉ. निशि मिश्रा एवं मिशन शक्ति के प्रभारी प्रोफेसर प्रीति वाजप्पे के कुशल निर्देशन में हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, संतुलित आहार के महत्व को समझाना तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित करना था।

छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए विभिन्न रचनात्मक स्लोगनों के माध्यम से कुपोषण, संतुलित आहार, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने अपने विचारों में यह संदेश दिया कि "सही पोषण, स्वस्थ जीवन का आधार है" तथा "स्वस्थ नारी, सशक्त समाज की पहचान है।" कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं में रचनात्मकता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जागरूकता का विकास हुआ।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया यह नाटक समाज में नारियों को उचित स्थान दिलाए जाने के संबंध में था । नुक्कड़ नाटक द्वारा छात्राओं ने महिलाओं के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम क्यों आवश्यक है पर अत्यंत सुंदर प्रस्तुति दी ।

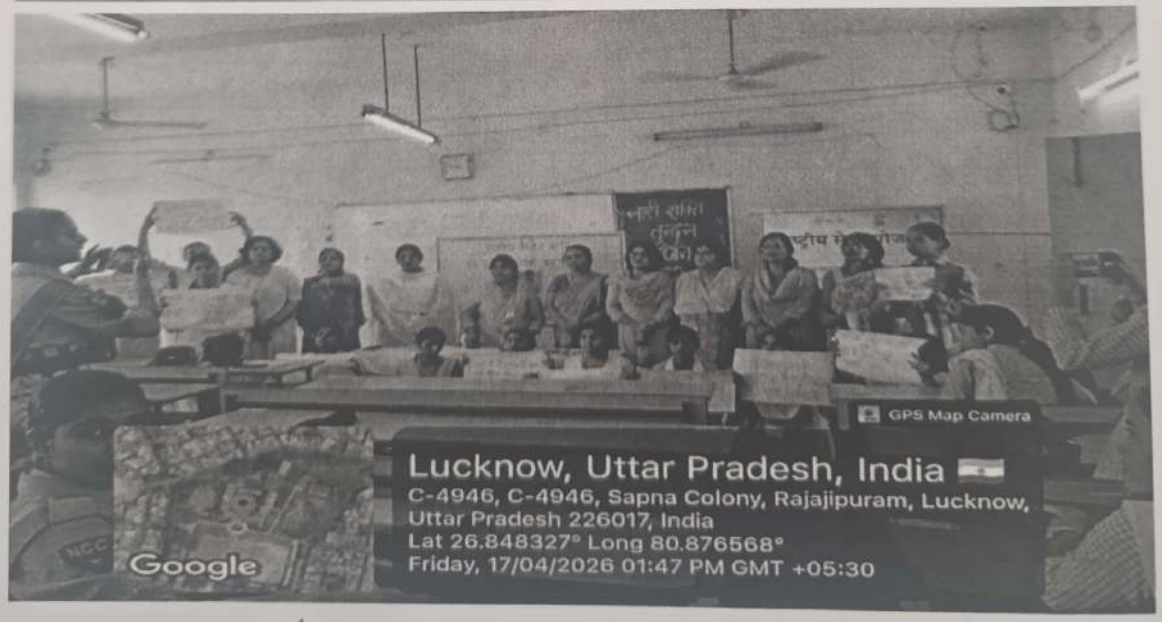
अंत में कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा सभी प्रतिभागियों की सराहना की गई एवं उन्हें भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल रहा।

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

Scanned with OKEN Scanner







Principal
Deen Dayal Upadhyay











कार्यक्रम अधिकारी

Principal प्राचार्य
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मिशन शक्ति (नारी शक्ति वंदन अधिनियम)

दिनांक : 20 अप्रैल 2026

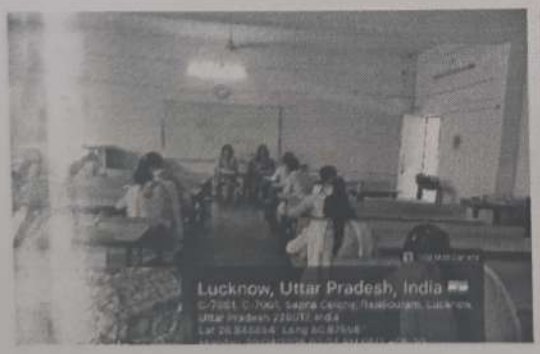
पोषण पखवाड़ा (आठवां संस्करण) के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ में दिनांक 20 अप्रैल 2026 को पोषण पखवाड़ा (आठवां संस्करण) के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध संस्कृतिक क्लब एवं मिशन शक्ति (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुषमा देवी जी के संरक्षण में तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती किरण लता वर्मा एवं अवध संस्कृत क्लब व नारी शक्ति वंदन अधिनियम की प्रभारी प्रोफेसर प्रीति वाजप्ये के निर्देशन में संपन्न हुआ।

निबंध प्रतियोगिता का विषय "स्क्रीन टाइम कम करने में माता-पिता एवं समुदाय की भूमिका" रखा गया, जो वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक एवं महत्वपूर्ण विषय है। छात्राओं ने इस विषय पर अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए डिजिटल जीवनशैली के दुष्प्रभावों तथा उसके संतुलित उपयोग के उपायों पर प्रकाश डाला।

इस प्रतियोगिता में लगभग 126 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे एवं उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करना रहा। अंत में प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ तथा प्रतिभागी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई ।





Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhyala
Rajajipuram Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब - कत्थक कार्यशाला शुभारंभ

दिनांक 25 अप्रैल 2026

दिनांक 25 अप्रैल 2026 को पंडित दीनदयाल अवध सांस्कृतिक क्लब के तत्वाधान में एक पांच दिवसीय कथक कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुषमा देवी के दिशा निर्देशन में हुआ महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्राओं को लगन से सीखने तथा उद्घाटन सत्र की उद्घोषणा की, उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डा मीना श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य का परिचय डॉ प्रज्ञा मिश्रा ने दिया मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को संकल्पित होकर इस कार्यशाला में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग लेने तथा लगन से सीखने के लिए आशीर्वचन दिया तथा उन्होंने बताया कि साहित्य, कला, "विविधता में एकता" का संदेश देती है तथा इसी के साथ कल्चरल क्लब की प्रभारी प्रोफेसर प्रीति वाजप्ये ने इस क्लब के पांच दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया, कल्चरल क्लब की संयोजक प्रोफेसर सुरंगमा यादव ने कथक कला की विधा के बारे में बताया, विशिष्ट अतिथि का परिचय डा निशी मिश्रा के द्वारा दिया गया विशिष्ट अतिथि वैभवी मिश्रा कथक प्रशिक्षक ने कथक कला के बारे में तथा इसके इतिहास के बारे में भी बताया इसी के साथ उन्होंने छात्राओं को प्रशिक्षित किया इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती साधना सिंह द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर प्रीति वाजप्ये द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय की 37 छात्राओं ने पंजीकरण कराया।







Scanned with OKEN Scanner





समिति पदाधिकारी

प्राचार्य

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब - कत्थक कार्यशाला शुभारंभ

दिनांक 27 अप्रैल 2026

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ में दिनांक 27.04. 2026 को महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय कत्थक कार्यशाला के अंतर्गत कथक नृत्य प्रशिक्षक वैभवी द्वारा तीन ताल 16 मात्राओं में भूमि प्रणाम बताया गया, हस्त मुद्रिका में उर्ध हस्त चक्र ताल, मध्य हस्त चक्र ताल, तल हस्त चक्र ताल के बारे में बताया एवं सरस्वती वंदना पर नृत्य प्रारंभ कराया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय की 18 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।





Principal

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब - कत्थक कार्यशाला शुभारंभ

दिनांक 27 अप्रैल 2026

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम लखनऊ में दिनांक 27.04. 2026 को महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय कत्थक कार्यशाला के अंतर्गत कथक नृत्य प्रशिक्षक वैभवी द्वारा तीन ताल 16 मात्राओं में भूमि प्रणाम बताया गया, हस्त मुद्रिका में उर्ध हस्त चक्र ताल, मध्य हस्त चक्र ताल, तल हस्त चक्र ताल के बारे में बताया एवं सरस्वती वंदना पर नृत्य प्रारंभ कराया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय की 18 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।





Principal





समिति पदाधिकारी

प्राचार्य
Principal
Pt. Deen Dayal Upadhya
Rajkiya Mahila Snatkottar Maha
Rajajipuram, Lucknow

पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ

28/04/2026

कथक कार्यशाला

पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ में प्राचार्या प्रोफेसर सुषमा देवी की अध्यक्षता में सांस्कृतिक क्लब द्वारा आयोजित कथक कार्यशाला के तीसरे दिन का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रशिक्षिका वैभवी मिश्रा ने छात्राओं को तीन ताल के एक टुकड़े के बारे में जानकारी देते हुए की। उन्होंने कथक की बारीकियों को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया, जिससे छात्राओं में विशेष उत्साह देखा गया। इसके पश्चात छात्राओं को सरस्वती वंदना के स्टेप्स का अभ्यास भी कराया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।आज 18 छात्राओं ने कार्यशाला में प्रतिभाग किया इस अवसर पर सांस्कृतिक क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. सुरंगमा यादव, डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, डॉ. निशी मिश्रा, श्रीमती साधना सिंह यादव तथा डॉ. पूनम पांडेय शामिल रहीं।







Scanned with OKEN Scanner



Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ

कथक कार्यशाला, 29/04/2026

पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ में प्राचार्या प्रोफेसर सुषमा देवी की अध्यक्षता में संचालित सांस्कृतिक क्लब द्वारा आयोजित कथक कार्यशाला के चौथे दिन का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर छात्राओं ने कथक नृत्य की विभिन्न बारीकियों को सीखते हुए अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षक द्वारा उन्हें ताल, लय, भाव-भंगिमा एवं पद संचालन की गहन जानकारी प्रदान की गई, जिससे उनके नृत्य में निखार आया।कार्यशाला के दौरान छात्राओं ने तत्कार, हस्त मुद्राएं एवं घूमर जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अभ्यास किया। प्राचार्या प्रोफेसर सुषमा देवी ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल कला के प्रति रुचि विकसित करती हैं, बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होती हैं।कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सांस्कृतिक क्लब की इस पहल की महाविद्यालय परिवार द्वारा सराहना की गई।इस अवसर पर सांस्कृतिक क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।





Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Balkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner





Nishtha Bagga

प्राचार्य
Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम लखनऊ

30/04/26

कथक कार्यशाला

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ मे प्राचार्य महोदया प्रो. सुषमा देवी की अध्यक्षता मे महाविद्यालय मे गठितअवध सांस्कृतिक क्लब के द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कार्य शाला के पांचवे दिन का प्रारंभ उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम मे प्रशिक्षिका वैभवी तिवारी ने छात्राओ को तीन ताल के विभिन्न मुद्रा के विषय मे बताया तथा उसका अभ्यास कराया। छात्राओं को सरस्वती वंदना एवं देवी के नृत्य का भी अभ्यास कराया। छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ नृत्य की बारीकियों को सीखा एवं अभ्यास किया। इस अवसर पर प्रो प्रियंका शर्मा एवं सांस्कृतिक क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे, जिनमे प्रो प्रीति वजप्ये, प्रो सुरंगमा यादव, डॉ प्रज्ञा मिश्रा, डॉ निशी मिश्रा, श्रीमती साधना सिंह यादव तथा डॉ पूनम पाण्डेय शामिल रही। इस कार्य शाला मे 18 छात्राओ ने सोत्सह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया।



Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner



अवध सांस्कृतिक क्लब
पदाधिकारी

प्राचार्य
Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

(65)

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

दिनांक.....

अंक.....

प्रशंसा-पत्र

यह प्रमाणित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि सुश्री वैभवी मिश्रा , कथक प्रशिक्षिका, ने महाविद्यालय में दिनांक 25 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक आयोजित पाँच दिवसीय कथक कार्यशाला में प्रशिक्षिका के रूप में सराहनीय योगदान प्रदान किया।

कार्यशाला के दौरान सुश्री वैभवी मिश्रा ने छात्राओं को कथक नृत्य की मूलभूत तकनीकों, ताल, लय, हस्त-मुद्राओं, भाव-प्रदर्शन, पद-संचालन तथा मंच प्रस्तुति की बारीकियों से अत्यंत प्रभावी एवं सरल शैली में अवगत कराया। उनके कुशल मार्गदर्शन, अनुशासन, समर्पण एवं प्रेरणादायी प्रशिक्षण से छात्राओं में भारतीय शास्त्रीय नृत्य के प्रति रुचि, आत्मविश्वास एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति का विकास हुआ।

महाविद्यालय परिवार उनके इस उत्कृष्ट योगदान, समयबद्ध सहयोग एवं सांस्कृतिक संवर्धन में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए हार्दिक आभार एवं प्रशंसा व्यक्त करता है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

प्रो०(डॉ०) प्रीति वाजपेयी
कार्यक्रम प्रभारी

प्रो०(डॉ०) सुषमा देवी
प्राचार्य

Scanned with OKEN Scanner

पं० दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक.....

दिनांक 8 मई 2026

आज दिनांक 8 मई 2026 को इतिहास विभाग एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब के तत्वावधान में महाविद्यालय के राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप जी की जयंती को प्राचार्य महोदया प्रोफेसर (डॉ०)सुषमा देवी के कुशल मार्गदर्शन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।इस अवसर पर महाराणा प्रताप को नमन करते हुए उनके साहस, आत्मविश्वास को याद किया गया ।इस संगोष्ठी में इतिहास विभाग की प्रोफेसर (डॉ०) प्रियंका शर्मा ने अपने व्याख्यान में कहा कि महाराणा प्रताप जैसे विशेष व्यक्तित्व होना वास्तव में भारत के लिए गौरव का विषय था क्योंकि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में अपने आत्मसम्मान अपने संकल्प और अपने संघर्ष के माध्यम से मुगलों का मुकाबला किया और अंत समय तक किसी के आगे नहीं झुके,उन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए अपने वचन का पालन किया और एवं उसकी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते रहे ।इस अवसर पर प्राचार्य महोदया ने कहा कि महाराणा प्रताप का व्यक्तित्व, आदर्श व्यक्तित्व था क्योंकि परिस्थितियों के आगे उन्होंने कभी झुकना नहीं सीखा चाहे वह कितनी भी परेशानियों में रहे हो उन्होंने घास की रोटियां तक खाई और जमीन पर लेते परंतु उन्होंने अपने संघर्ष और अपने संकल्प के साथ डटकर अकबर जैसे मुगल शासक का मुकाबला किया और मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया ।उनका व्यक्तित्व हम सभी को आज भी प्रेरणा देता है ।कार्यक्रम का सफल संचालन इतिहास विभाग की प्रोफेसर डॉ० प्रीति वाजपेयी ने किया एवं उन्होंने महाराणा प्रताप जो मेवाड़ के शासक थे उनके संघर्ष की गाथा को विस्तार से प्रस्तुत किया तथा उनके व्यक्तित्व की भूरी -भूरी प्रशंसा करते हुए उनका हृदय

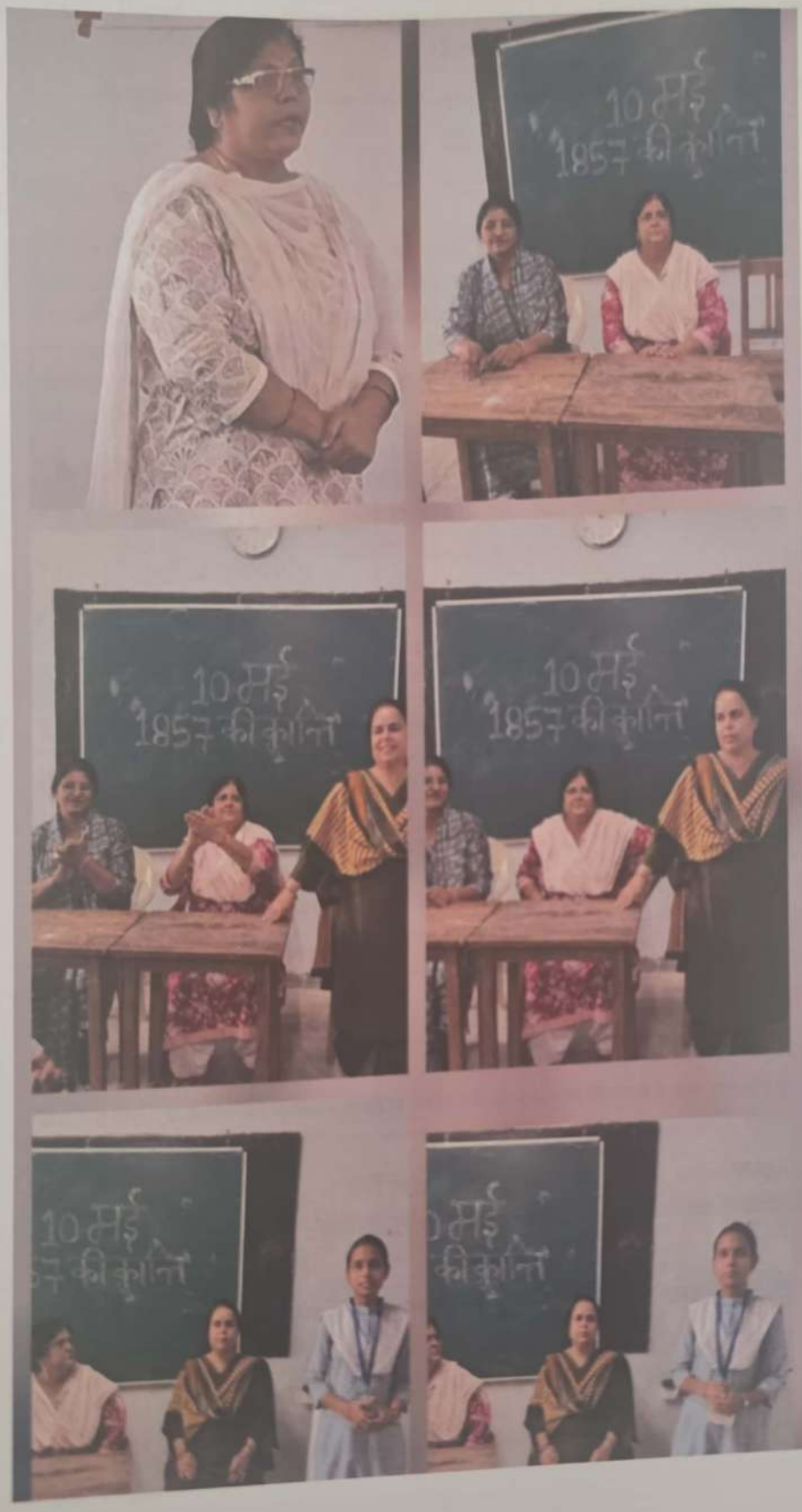
Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

से नमन किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे तथा बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया ।



Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snatkottar Mahavidyalaya


10 मई
1857 की क्रांति

Pandit Deendayal Upadhyay Government Girls's Post Graduate College, Rajajipuram, Lucknow

Program Report: Vrihad Vriksharopan Abhiyan – "Ek Ped Maa Ke Naam"

Event Overview

Pandit Deendayal Upadhyay Government Girls's Post Graduate College, Rajajipuram, Lucknow, organized a **Vrihad Vriksharopan Abhiyan** under the Government of Uttar Pradesh's flagship campaign "**Ek Ped Maa Ke Naam**". The programme was conducted under the leadership of Principal **Prof. (Dr.) Shivani Srivastava** with the objective of promoting environmental sustainability, biodiversity conservation, and fostering ecological awareness among students and staff.

Event Details

* Event Title: Vrihad Vriksharopan Abhiyan – "Ek Ped Maa Ke Naam"

* Date: 11 and 12 July 2026

* Venue: College Campus

* Chairperson: Prof. (Dr.) Shivani Srivastava, Principal

* Organizing Committee: Environmental Committee

Highlights of the Programme:

Inauguration and Theme

The programme commenced with the plantation of saplings by the Principal, Prof. (Dr.) Shivani Srivastava, who emphasized that "Ek Ped Maa Ke Naam" symbolizes gratitude towards motherhood and nature. She encouraged students to actively participate in environmental conservation by planting trees and ensuring their long-term care and maintenance.

Participation of Institutional Units

The plantation drive witnessed enthusiastic participation from all academic and co-curricular units of the college.

* **National Service Scheme (NSS)** units Sadbhavana and Prerna actively participated under the leadership of Dr. Nishi Mishra, with the support of Mrs. Sadhna Singh Yadav and Dr. Poonam Pandey.

* **NCC** Cadets carried out the plantation activities under the guidance of Dr. Neha Jain, NCC Officer.

* **Rangers** Unit participated under the leadership of Dr. Smita Pandey.

* Students of the **Awadh Sanskritik Club** planted saplings under the guidance of Prof. (Dr.) Preeti Vajpayee.

Scanned with OKEN Scanner

* **The Department of Botany**, under the supervision of Dr. Shefali Singh, guided students regarding the scientific importance, plantation techniques, and conservation of different plant species.

Participation

More than 300 students, along with faculty members, non-teaching staff, and office personnel, actively participated in the campaign. Various shade-giving, and fruit-bearing saplings were planted across the college campus.

Digital Documentation

As part of the Government's monitoring initiative, geo-tagged photographs of all planted saplings were uploaded on the Haritima App, ensuring proper documentation and future monitoring of the plantation drive.

Faculty Contribution

The programme received active support from Prof. (Dr.) Akhilesh Kumar, Prof. (Dr.) Reeta Agnihotri, Prof. (Dr.) Sanjeev Kumar Agrawal, Prof. (Dr.) Sheel Dhar Dubey, Prof. (Dr.) Surangama Yadav, Dr. Vishakha Kamal, Dr. Pragya Mishra, Dr. Amitendra Singh, Mrs. Mamta Ambujanani, Mr. Vishal Verma, Mrs. Suman, along with all teaching, non-teaching, and office staff members of the college.

Environmental Pledge

All participants collectively pledged to protect the planted saplings through regular watering, maintenance, and care, while also committing themselves to promoting environmental awareness and sustainable practices within society.

Conclusion

The **Vrihad Vriksharopan Abhiyan – "Ek Ped Maa Ke Naam"** was successfully conducted with enthusiastic participation from the entire college fraternity and almost 200 saplings were planted. The programme effectively strengthened environmental consciousness among students and reaffirmed the institution's commitment towards sustainable development, ecological conservation, and community engagement. The initiative aligns with the vision of the Government of Uttar Pradesh and reflects the institution's commitment to fulfilling its environmental and social responsibilities.

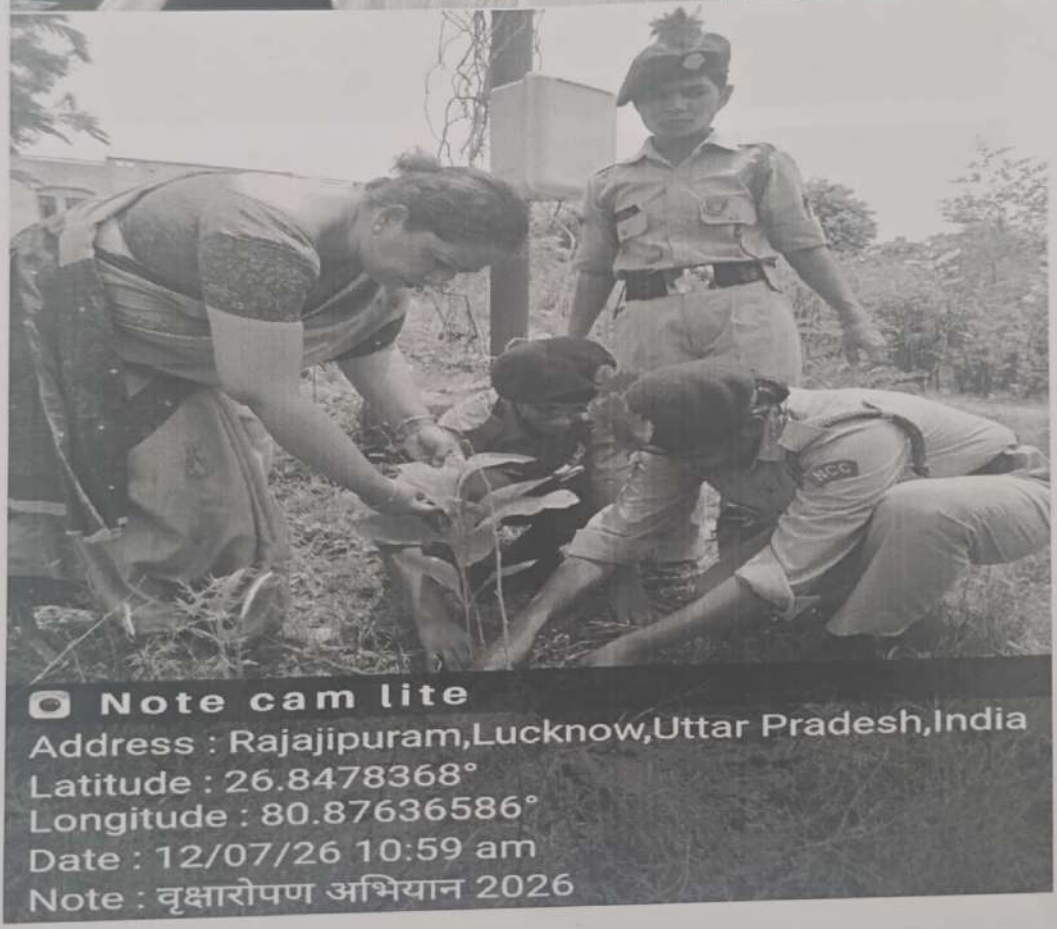
Principal
Principal
Pt Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

Environmental Committee

1.
2.
3. Pragya
4.
5. Shefali
6. Nirdhan

Scanned with OKEN Scanner





Note cam lite
Address : Rajajipuram,Lucknow,Uttar Pradesh,India
Latitude : 26.8478368°
Longitude : 80.87636586°
Date : 12/07/26 10:59 am
Note : वृक्षारोपण अभियान 2026

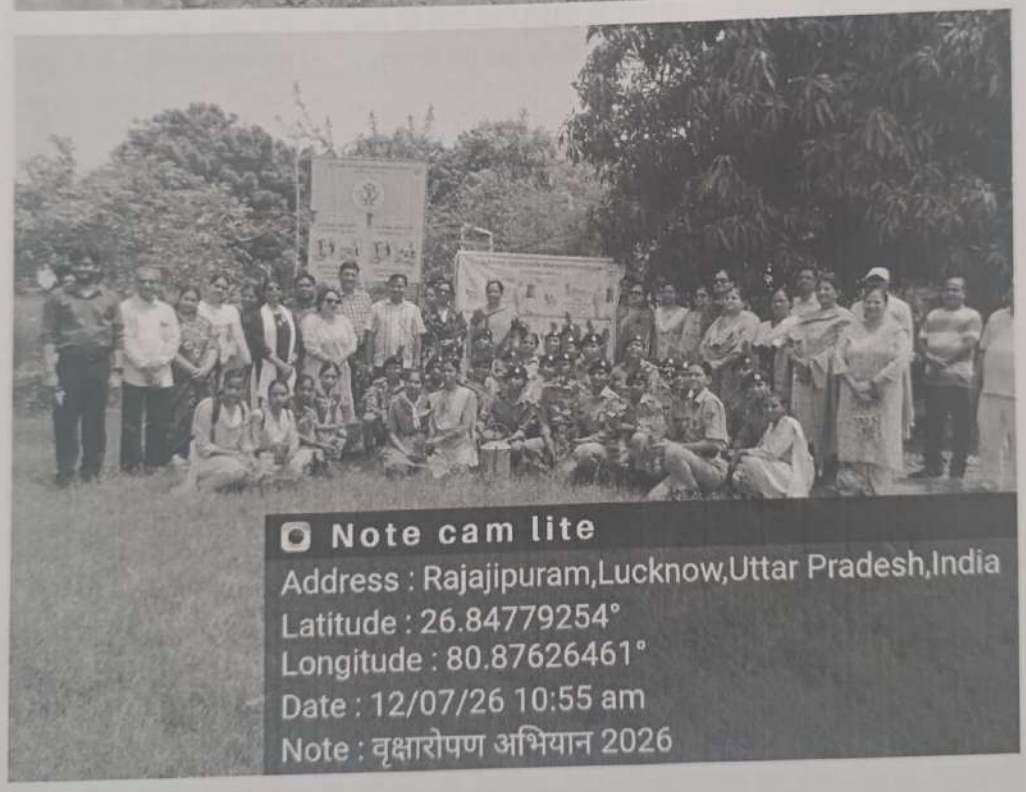
Environmental Committee

1.
2.
3.
4.
5.

Principal
Pt Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidhyalay
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner





Environmental Committee

1.
2.
3.
4.
5.
6.

Principal
Principal
Pt Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakotter Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति

"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

आज दिनांक 11/07/2026, को उत्तर प्रदेश शासन के वृहद वृक्षारोपण अभियान-2026 एवं "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शिवानी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करना, हरित आवरण में वृद्धि करना, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाना तथा भावी पीढ़ी को प्रकृति संरक्षण के प्रति उत्तरदायी बनाना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शिवपाल सांवरिया, पूर्व क्षेत्रीय पार्षद एवं समाजसेवी, राजाजीपुरम, लखनऊ रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्री श्यामजीत सिंह, श्री शिव कुमार जी तथा श्री राघवेंद्र अवस्थी जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों ने महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्राओं से अधिकाधिक वृक्ष लगाने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, प्राचार्य महोदया एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शिवानी श्रीवास्तव ने कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान भारतीय संस्कृति में मातृत्व, प्रकृति और जीवन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार माँ अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार वृक्ष सम्पूर्ण सृष्टि के जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह केवल पौधारोपण ही न करे, बल्कि उसके संरक्षण, नियमित सिंचाई एवं देखभाल की जिम्मेदारी भी पूरी निष्ठा से निभाए।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की पर्यावरण समिति द्वारा किया गया, जबकि मंच संचालन प्रो. (डॉ.) प्रीति वाजप्ये ने अत्यंत प्रभावशाली एवं गरिमामयी ढंग से किया।

वृहद वृक्षारोपण अभियान में महाविद्यालय की सभी इकाइयों एवं समितियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयाँ "सद्भावना" एवं "प्रेरणा" ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निशी मिश्रा के नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभाई। इस अभियान में श्रीमती साधना सिंह यादव एवं डॉ. पूनम पाण्डेय का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इसी प्रकार राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट्स ने एनसीसी प्रभारी डॉ. नेहा जैन के नेतृत्व में उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सहभागिता की। रेंजर्स इकाई की छात्राओं ने रेंजर्स प्रभारी डॉ. स्मिता पाण्डेय के नेतृत्व में पौधारोपण एवं पौधों के संरक्षण का दायित्व निभाया।

महाविद्यालय के अवध सांस्कृतिक क्लब की संयोजिका प्रो. (डॉ.) प्रीति वाजप्ये के मार्गदर्शन में छात्राओं ने बड़ी संख्या में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रभारी

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. शेफाली सिंह के नेतृत्व में विभाग की छात्राओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से रोपण करते हुए उनके संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से यह शपथ ली कि वे लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल, समय-समय पर सिंचाई, सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित करेंगे तथा अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करेंगे। सभी ने यह संकल्प भी लिया कि पर्यावरण संरक्षण को जन-आन्दोलन का स्वरूप प्रदान करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इस पुणीत अभियान को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापकों प्रो. (डॉ.) अखिलेश कुमार, प्रो. (डॉ.) रीता अग्निहोत्री, प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार अग्रवाल, प्रो. (डॉ.) शीलधर दुबे, प्रो. (डॉ.) सुरंगमा यादव, डॉ. विशाखा कमल, डॉ. अमितेन्द्र सिंह, श्रीमती ममता अम्बुजाननी , श्री विशाल वर्मा, श्रीमती सुमन सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं कार्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए हुआ। महाविद्यालय परिवार ने यह विश्वास व्यक्त किया कि "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के माध्यम से लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।कार्यक्रम में महाविद्यालय की 100 से अधिक छात्राएं सम्मिलित रहे । यह कार्यक्रम न केवल वृक्षारोपण तक सीमित रहा, बल्कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरणीय चेतना का सशक्त संदेश देने वाला प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुआ।



Scanned with OKEN Scanner





Saadhna Nivshas Prayas


GPS Map Camera
Lucknow, Uttar Pradesh, India
Rvxg+9j7, Rajajipuram, Lucknow, Uttar Pradesh 226017, India
Lat 26.84847° Long 80.876447°
Saturday, 11/07/2026 12:27 PM GMT +05:30
Azimuth/Bearing : 43.65°
44° NE
Facing North East
125 m
38.44 µT
Google


Note cam lite
Address : Rajajipuram,Lucknow,Uttar Pradesh,India
Latitude : 26.84849407°
Longitude : 80.87646778°
Date : 11/07/26 12:28 pm
Note : वृक्षारोपण अभियान 2026





पर्यावरण समिति

1.
2.
3.
4. Sadaf
5. Nishat
6.

11/7/26

प्राचार्य
Principal
Pt Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snakottar Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

28



DDU : महिला महाविद्यालय में 200 पौधों का जियो-टैगिंग के साथ रोपण

Telescope Today July 12, 2026

लखनऊ (टेलीस्कोप टुडे संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के वृहद वृक्षारोपण अभियान-2026 के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम में रविवार को प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शिवानी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्राओं से पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण एवं नियमित सिंचाई का भी संकल्प लेने का आह्वान किया।

Scanned with OKEN Scanner



इस महाअभियान में महाविद्यालय की विभिन्न इकाइयों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। एनएसएस की दोनों इकाइयों सद्भावना एवं प्रेरणा ने डॉ. निशी मिश्रा के नेतृत्व में साधना सिंह यादव एवं डॉ. पूनम पाण्डेय के सहयोग से वृक्षारोपण किया। एनसीसी की कैडेट्स ने डॉ. नेहा जैन के नेतृत्व में तथा रेंजर्स की छात्राओं ने डॉ. स्मिता पाण्डेय के नेतृत्व में सक्रिय सहभागिता की।

अवध सांस्कृतिक क्लब की संयोजिका प्रो. (डॉ.) प्रीति बाजपेई के मार्गदर्शन तथा वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. शेफाली सिंह के नेतृत्व में भी छात्राओं ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की पर्यावरण समिति द्वारा किया गया।

Scanned with OKEN Scanner



कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। अभियान के अंतर्गत लगाए गए सभी पौधों के जियो-टैग्ड फोटोग्राफ हरितिमा ऐप पर अपलोड किए गए, जिससे उनके संरक्षण एवं अनुश्रवण को सुनिश्चित किया जा सके। इस अभियान में 200 विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए जिनमें बेल, सागौन, जामुन, नींबू इत्यादि थे।

इस अभियान को सफल बनाने में प्रो. (डॉ.) अखिलेश कुमार, प्रो. (डॉ.) रीता अग्निहोत्री, प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार अग्रवाल, प्रो. (डॉ.) शीलधर दुबे, प्रो. (डॉ.) सुरंगमा यादव, डॉ. विशाखा कमल, डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, डॉ. अमितेन्द्र सिंह, ममता अम्बुजाननी, विशाल वर्मा, सुमन सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं कार्यालय परिवार का उल्लेखनीय योगदान रहा।

12/7/26

प्राचार्य
Principal
Pt Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snaiokter Mahavidhyalay
Rajajipuram Lucknow

पर्यावरण समिति
1.
2.
3.
4. Sadh
5. Nishm
6. Shgah

Scanned with OKEN Scanner

पं० दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

पं० दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक..... दिनांक.....

विषय: "Project Clock Tower" के प्रस्ताव के संबंध में।

महोदय/महोदया,

सादर निवेदन है कि महाविद्यालय के दीन दयाल अवध सांस्कृतिक क्लब (Deen Dayal Awadh Sanskritik Club) के अंतर्गत "Project Clock Tower" नामक परियोजना प्रस्तावित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य महाविद्यालय की सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय इतिहास एवं लखनऊ की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पहचान के प्रति छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करना तथा उन्हें अपनी विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन से जोड़ना है।

"Project Clock Tower" के माध्यम से ऐतिहासिक धरोहर, स्थापत्य कला, स्थानीय इतिहास, सांस्कृतिक स्मृति एवं विरासत संरक्षण जैसे विषयों को शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। परियोजना में छात्राओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण, शोधपरक अध्ययन, प्रस्तुतीकरण, जागरूकता कार्यक्रम तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं।

यह परियोजना NEP 2020 के भारतीय ज्ञान परंपरा, स्थानीय संस्कृति, experiential learning तथा heritage awareness से संबंधित उद्देश्यों को भी सुदृढ़ करने में सहायक होगी।

21.9.26

Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

1.
2.
3.
4.
5.

पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजाजीपुरम् , लखनऊ

(82)

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अवध सांस्कृतिक क्लब

पत्रांक.....

दिनांक.....

अतः "Project Clock Tower" के प्रस्ताव को महाविद्यालय स्तर पर अनुमोदन प्रदान करने एवं आवश्यक सहयोग/मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु सादर प्रस्तुत किया जा रहा है।

संलग्न:

1. Project Clock Tower का विस्तृत प्रस्ताव
2. परियोजना के उद्देश्य एवं गतिविधियों का विवरण
3. अपेक्षित संसाधन/बजट, यदि आवश्यक हो

सादर,

डॉ. प्रीति वाजपेयी

संयोजक

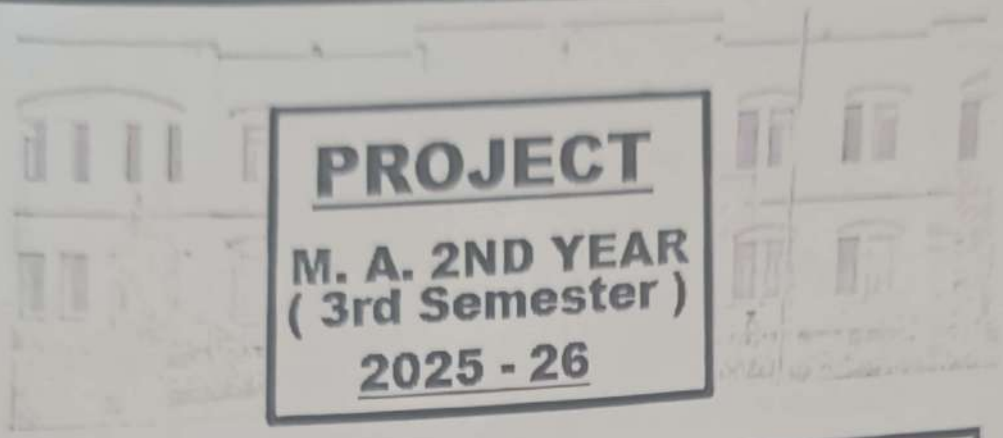
Deen Dayal Awadh Sanskritik Club

पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

राजाजीपुरम, लखनऊ

Scanned with OKEN Scanner

PT DEEN DAYAL UPADHYAY
GOVT GIRLS PG COLLEGE LUCKNOW



PROJECT

M. A. 2ND YEAR
(3rd Semester)
2025 - 26

CLOCK TOWER

NAME : Aditi Singh
ROLL NO. :
2410235690001
FATHER'S NAME :
M.R. Verma

TEACHER'S NAME :
Priyanka Ma'am &
Preeti Ma'am
DEPARTMENT :
Medieval & Modern
Indian History

PRINCIPAL
PROF. SUSHMA DEVI
PT.D.D.U.P.G. COLLEGE
RAJAJIPURAM LUCKNOW

Scanned with OKEN Scann

Scanned with OKEN Scanner

Index

Ser.N	Topic	Signature
a	Acknowledgement	
b	Introduction	
c	Historical Context	
d	Commission and Purpose	
e	Architectural Analysis	
f	The Clock Mechanism	
g	Construction techniques	
h	Restoration and present-day-Significance	
i		
i.	Geographical and urban Significance	
j	Economic Significance	

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

PAGE
DATE

Introduction

The clock tower of Chowk, Lucknow, also known as Husainabad clock tower or Ghanta Ghar, is a historic landmark and a symbol of the city's rich cultural heritage. Located in the heart of Lucknow, this majestic clock tower was built in 1881 to commemorate the arrival of Sir George Couper, the first Lieutenant Governor of the United Province of Awadh.

nding tall at 221 feet, it's sidered the tallest clock tower India, showcasing a unique d of Victorian and Mughal itectural styles. The clock's icate design features a petaled flower shaped dial, a 14-feet long pendulum, ng it a remarkable example 19th century British engineering.

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

The tower's significance extends beyonds its architectural grandeur representing a turning point in Lucknow's history, where the city's regal past intersected with British influence. Today, it's a popular tourist destination, offering a glimpse into the city's rich history and cultural heritage.



Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Historical Context

The Hussainabad clock tower, colloquially known as the "Ghanta Ghar", stands as a monumental emblem of Lucknow's transition from the Nawabi era into the period of British colonial administration. Erected in the late 19th Century (1881), the tower is not merely a timepiece but a profound piece of architectural propaganda, commemorating a significant political appointment & embodying a synthesis of global architectural trends with local Indian craftsmanship. Its towering presence adjacent to the other major Awadhi monuments the Rumi Darwaza and the Imambaras takes it the cornerstone of the city's historical heart.

Signature.....

Commission and Purpose

A. The Patronage and Purposes

The construction of the tower was mandated by the Hussainabad Trust, established by the Nawabs of Awadh for civic development and charitable works. It was commissioned to celebrate the arrival of Sir George Couper (later Sir George Ebenezer Wilson Couper, 2nd Baronet), who assumed the position of the first Lieutenant-Governor of the United Province of Awadh (Oudh) following the rearrangement of administrative zones in British India. The tower thus ~~severe~~ serves as a permanent, stone and mortar tribute to the new administrative power.

B. Timeline and Cost

- Initiation of Construction: Circa 1880.
- Completion Date: 1881

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

• Initial Cost: A reported ₹1.75 lakhs (1,75,0
, a substantial public expenditure for th
time, reflecting the significance attached to
the memorial.

• The Designer: The structure was designe
by Richard Roskell Bayne, a notable
British architect working in the regi
, known for integrating European and
Indian sensibilities.

Signature

- Height: Approximately 221 feet (67 meters), making it one of the tallest clock towers built in colonial India.

- Base and foundation:- The structure rises from a robust, square base, utilizing thick masonry to support the vertical load & resist the strong winds as it height.

- Materials: Predominantly constructed from high-quality red brick with extensive use of stucco (plasterwork) to crea intricate details and mouldings.

C. Aesthetic features

- The Shaft: The main shaft of the towe is adorned with vertical pilasters, recessed panels, and ornamental brackets, emphasizing its vertically and giving it a sense of grand aspiration.

- Window and Aperture Design: The narrow, lancet-style windows and ventilation apertures are classic features of

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

Gothic architecture, adapted with intricate jalli-like details.

- The Upper levels and Balconies: The penultimate level, just below the clock mechanism housing, features decorative balconies and a series of blind arches.

- The Crowning Dome: The structure is crowned by a distinctly Moorish-style dome - a hemispherical cap with a slight onion-like curve. This dome is typically finished with a gilded final (often described as a golden ball) topped with a brass weather vane shaped like a bird or a mythical creature, serving as a traditional weather indicator and a decorative accent.

The Clock Mechanism: An Imported Marvel

A. Origin and Engineering

The mechanical core of the clock was a masterpiece of Victorian engineering, imported from England, underscoring the reliance on British expertise for precision instruments.

- Manufacturer: The machinery is attributed to the famous english clock-making firm of James William Benson, a highly respected london-Based company known for high-quality public clocks and watches.

- Functionality: The clock was designed to be a weight-driven, pendulum regulated movement, requiring manual winding (often by a dedicated clock master) to raise the heavy weights that powered the mechanism.

Signature.....

B. Dial and Hand Specifications

- Dials: The tower features four identical clock faces, positioned on each side of the top section.

- Dial Diameter: Each dial measures approximately 15 feet (4.5 meters) in diameter, making them among the largest in the world at the time of installation.

- Aesthetic Details: A highly unique artistic feature is the dial plate's design:

  - The dial is frequently described as resembling a 12 petalled golden flower, with each petal demarcating an hour.

  - The hands of the clock are distinctively shaped like scimitars (curved swords), a deliberate nod to the martial and aristocratic culture of the Nawabs of Awadh, blending a European timepiece with local symbolism.

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

PAGE
DATE

C. The Pendulum and Chimes

• The Pendulum: The mechanism featured a massive pendulum, reportedly around 14 feet in length, which ensured the highly accurate regulation of the time.

• The Chimes (Bells): The tower was originally fitted with large bells to strike the hours, projecting the time across the city. The primary bell, housed in the belfry just beneath the dome was particularly large & heavy.

D. Decay and Restoration

The clock suffered from neglect and mechanical failure, eventually falling into disrepair and becoming non-functional for nearly three decades (late 1980s to early 2010s).

• The Restoration Project: The monumental task of restoring the mechanical movement was undertaken in the early 21 century by local enthusiasts

Signature.....

and mechanical engineers. Most notably the efforts led by Captain Pratap Chauhan and Akhilesh Agarwal. This restoration was a treatment to local skill and historical preservation efforts, relying on original techniques to bring the weight-driven mechanism back to life. The restored clock began chiming again around 2011, serving as a point of civic pride.

Signature

Construction Techniques

A. Use of scaffolding and local labour
British engineers supervised a large local workforce. Bamboo scaffolds, wooden platforms, and pulley systems were used to lift materials to great heights.

B. Traditional Masonry. The base used load-bearing masonry walls, a common technique of the era. Lime plaster (chunam) mixed with organic additives like jaggery and bael fruits pulp adds waterproofing and strength.

C. Structural Stability

Wind resistance was a major concern given Lucknow's seasonal storms. Engineers employed tapering geometry to enhance stability, reducing cross-sectional areas as height increased.

Signature.....

Restoration and Present-Day Significance

A → The period of silence and restoration

The clock ceased functioning around 1984 and remained silent for over 25 years. The administrative initially proposed replacing the original mechanical clock with an electro-c one.

• The samaritans :- The mechanical cloc was famously restored to working condition by two dedicated lucknow citizens. Captain Paritosh - Chauhan (Merchant Navy officer) and Akhilesh Agarwal (Mechanical engineer

• The Work : Working pro bono, they sp approximately two to three years meticulously repairing and reconstr -ing the original clock mechanism

Signature.....

PAGE
DATE

• The Revival: The clock was made functional again by late 2010, and the giant tower bells chimed once again more in September 2011, restoring a piece of the city's living heritage.

B:- Cultural and Urban Significance

• A Living Monument: The clock tower is a prominent component of the Hussainabad Heritage Zone, standing in close proximity to other major historical monuments:

- The magnificent Bara Imambara.
- The iconic Rumi Darwaza (Turkish gate)
- The picturesque Chota Imambara (Palace of lights)
- Satkanda (Incomplete seven-storey tower)

• Tourism: It remains a major tourist attraction, noted for its architectural

Signature.....

beauty and evening illumination.

- Symbolism :- It symbolises the intricate layer of colorful, Nawabi and post colonial history, serving as a reminder of Lucknow's past glory and its commitment to preserving its architectural heritage.

Scanned with OKEN Scanner

PAGE

DATE

Geographical and Urban Significance

A: Anchor of the Hussainabad Heritage Zone

The clock tower is not an isolated structure; it is the central vertical axis of the Hussainabad Heritage zone (old lucknow), which includes a cluste of historically and architecturally significant sites.

- Axis of Power and Piety: It stands adjacent to the iconic Rumi Darwaza (Turkish Gate) and is situated betwee the grand shia holy complexes of the Bara Imambara and the Chota Imambara.

- Urban orientation: Geographically, the tower served as the primary fixed reference point for the old city, pre-dating modern GPS and mass

Signature

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

timekeeping devices. Its height (221 feet) ensured it was visible for miles, anchoring the city's topography and acting as a directional guide for travelers.

B. A shift in Urban planning

The construction of the tower marked a move toward modern colonial civic architecture in the heart of the traditional Nawabi settlement.

- **Public Time**: Prior to the clock tower, public timekeeping was often regulated by the firing of cannons or the use of sundials on masque minarets. The mechanical clock provided a unified, precise and secular time reference for the entire city, crucial for railway schedules, administrative appointments, and standardizing industrial work hours.

- **The Public Square**: The tower transformed its surrounding space into a public square (the Ghanta Ghar Maidan)

Signature.....

PAGE
DATE

, establishing a new form of public meeting place distinct from the traditional courtyards of the imambaras or the marketplaces of Chowk.

Signature

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Economic Significance

A→ Cost, Endowment, and capital flow

The financial outlay for the tower was substantial for its time, estimated at approximately £1.75 to £2 lacks (roughly equivalent to several million dollars today, accounting for purchasing power parity).

• Capital Sources: The funding came from the Hussainabad Endowment, a ~~corpus~~ corpus of about £36 lakhs bequeathed by Muhammad Ali Shah. This demonstrates that while the British administered the construction, the capital flowed from the legacy of the former ruling class, underscoring the appropriation of Nawabi wealth for colonial-era projects.

• Import expenditure: A significant portion of the cost was spent on importing the high-value, specialized clock machinery, cast-iron bells,

Signature.....

PAGE
DATE

and perhaps some decorative stone from Britain. This represents a transfer of wealth and technolog -ical dependence on the colonial powers

C- Commercial Impact and Markets Regulat -ions

For a burgeoning 19th-century commercia -l centre like lucknow, the clock tower had a direct impact on local economic activity.

- Market Standardization: The Ghanta Ghar allowed for the accurate scheduling of market openings and closings, the delivery of goods, and the coordination of transpor -t (horse-drawn carriages, later trams)

* Employment and Tourism:

- Initial labour: Its construction provided employment for numerous local artisans, stone masons, and labourers, integrating local skills

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

with the British design.

- Modern Tourism: Today, it is a primary asset for Nehnaud's heritage tourism industry, attracting thousands of visitors annually and supporting local businesses such as street food vendors, rickshaw pullers and the surrounding markets (eg the Chowk areas).

Signature.....

Restoration and Modern Relevance

- Period of Silence: The clock mechanism fell into a state of disrepair and remained inoperative (silent) for a long period, from around 1984 until 2010.

- Proposed Replacement: The local administration, in 2010, decided to replace the antique mechanical clock with a modern electronic one.

- Citizen-led restoration:

- Two local patrons, Captains Paritosh Chauhan and Akhilesh Agarwal, intervened.

- They petitioned the administration to allow them to repair and restore the original mechanical

Signature.....

clock pro bono (free of charge), driven by a desire to preserve the city's heritage.

- Repair Timeline

- The repair work began on April 13, 2010.

- The defunct clock was made functional again by oct 28, 2010.

- The giant chimes were finally reactivated, sounding after a 27 year silence, on September 13, 2011.

- Present Status: The Hussainabad clock tower in an actively preserved heritage structure, maintaining its mechanical clockwork (through some reports suggest a brief period of electrical upgrade, the focus remains on the restored mechanical integrity

- Illumination: The tower is a major attraction, especially in the evening, when it is beautifully illuminated

Signature

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

PAGE
DATE

with coloured lights, enhancing its grandeur.

Scanned with OKEN Scanner

Geographical location and Surrounding Heritage Zone

- Location: The tower is centrally located in the Hussainabad locality of old Lucknow.
- Proximity to key landmarks (The Heritage complex): The tower forms a pivotal part of Lucknow's major historical circuits.

- Location: The tower is centrally located in the Hussainabad locality
- Coordinates: Approximately 26°52'28"N 80°54'21"E.

- Surrounding Heritage Zone: The clock tower is a central feature of the Hussaina-bad Heritage Zone, an ensemble of grand architectural monuments from the Nawabi and British eras.

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

PAGE
DATE

• Rumi Darwaza : located immediately adjacent to the clock tower, this is an iconic, imposing gateway often called the 'Turkish Gate' (approx. 1.9km away).

• Bara Imambara (Asafi Imambara) :- A short distance away (approx. 1.1km), this is one of Lucknow's grandest historical monuments, famous for its large central hall and the intricate labyrinth (Bhul Bhulaiy

• Chota Imambara (Husainabad Imambara): Also nearby (approx. 0.8km), this ornate shrine is known for its beautiful interiors and is often illuminated during festivals.

• Husainabad Picture Gallery : locate in the same complex, offering historical portraits and a view of the clock tower.

• Satkhanda: A nearby incomplete seven-storeyed brick tower, which adds to the historical character

Signature.....

of area.

• Architectural Style: The Clock tower itself, standing at approximately 67 meters (220 feet), is a magnific-ient example of Victorian-Gothic architecture, blending with the surrounding Indo-Islamic (Awadhi) architecture of the other monuments.

• Cultural Context: The entire area forms a significant historical and cultural hub, reflecting the transition of power and architectural styles from the Nawabi era to british influences in the 19th century.

Signature

PAGE
DATE

Foundation for Scientific Progress

Historically, the development of the mechanical public clock tower is the architectural manifestation, was crucial for the development of modern science:

- Standardized Time: Before public clocks, time was often localized and imprecise (based on sundials or water clocks). The clock tower provided a public, audible and uniform time standard for the entire community. This standardizati was essential for:

- Coordinating Scientific experiments: Allowing scientists in different locations to accurately compare results.

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

• Astronomy and Navigation: Precise timekeeping, later perfected in the form of the marine chronometer, was vital for accurately determining longitude at sea, which drove global scientific exploration and cartography.

→ A Mechanical worldview: The intricate, predictable, and functional nature of the mechanical clock became a powerful metaphor for the Scientific Revolution. It fostered the idea that the universe itself could be understood as a complex, orderly machine operating according to fixed, measurable laws (the mechanistic worldview).

In essence, the Hussainabad clock tower is a physical monument to 19th-century timekeeping technology - a branch of applied science that fundamentally enabled the advancements of the scientific age.

Signature

Political and Cultural Significan -ce

• Symbolism of British Dominion

The primary political significance of the clock tower was its role as a monumental symbol of colonial supremacy and the Pax Britannica established after 1857.

• Control over time

To standardize time across the empire was to impose a unite administrative order. By replacing decentralized, traditional timekeeping with a British-engineered, centrali -d monument, the colonial power asserted its rights to define and regulate the very rhythm of the city.

Signature.....

Scanned with OKEN Sc
Scanned with OKEN Scanner

- **Architectural Propaganda**

By adopting the Victorian Gothic style reminiscent of London monuments the British were visually asserting the superiority of western civilizations, engineering and architectural forms over indigenous traditions.

- **A cultural landmark of resilience**

In the post-independence era, the tower's political meaning has evolved from a symbol of colonial rule to an icon of Lucknow's enduring heritage.

The Restoration Story (2010-2011)

The efforts by local citizen (captain Paritosh Chauhan and Akhilesh Agarwal) to restore the defunct mechanical clock pro bono in 2010 became powerful cultural and political statement. It was rejection of replacing heritage with cheap,

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

modern electronics and an emotional of local pride and ownership over the city's past.

- The voice of the city

When the bells chimmed again after 97 years of silence, it was widely celebrated as a victory of conservation and an emotional revival of the city's "voice". It transitioned the monument's narrative from colonial memorial to civic patrimony.

- Contemporary Social Use of today, the clock towers is a place of public and political assembly.

- Meeting point:

It is a default meeting place and a common site for public rallies, protests, and cultural events, serving as a backdrop for the democratic and civic life of modern Lucknow.

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

PAGE
DATE

• Illumination and Diwali festivals

During major festivals like Eid and Diwali or on national holiday like Republic Day, its elaborate illumination transforms it into a spectacle, confirming its status as a shared, beloved cultural asset

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

Conclusion

The clock tower of Chowk, Lucknow, stands as a testament to the city's rich cultural heritage and its evolution over time. This iconic landmark, with its unique blend of Victorian and Mughal architectural styles, has become an integral part of Lucknow's identity. As a symbol of the city's history, resilience, and progress, the clock tower continues to ~~capitaline~~ captivate locals and tourists alike. Its significance extends beyond its functional purpose, representing a connection to the past and a beacon for the future. Today, the clock tower remains a beloved landmark, reflecting Lucknow's unique blend of tradition and modernity.

Signature.....

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Bibliography

- The City of Heritage and Culture A Walk Through History, by Vaishney, Vipul B., published by Niyogi Books (2017)
- The History of India Architecture, by Srivastava, A.K., (2022).
- www.google.com
- Lucknow.nic.in
- Tornosindia.com
- Guide → Mohd. Ayub Khan

Signature.....





























Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner



Principal
Dr. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snatkottar Mahavidy
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner


शक्ति
5.0
शक्ति
5.0



Upadhyay
Mahavidyalaya
Lucknow

Scanned with OKEN Scanner

















Principal
Dean Dayal Upadhyay
Mahila Snatkottar Mahavidy
Rajajipuram, Lucknow

Scanned with OKEN Scanner















Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay
Mahila Snatkottar Mahavidyalaya
Bishanpuram, Lucknow

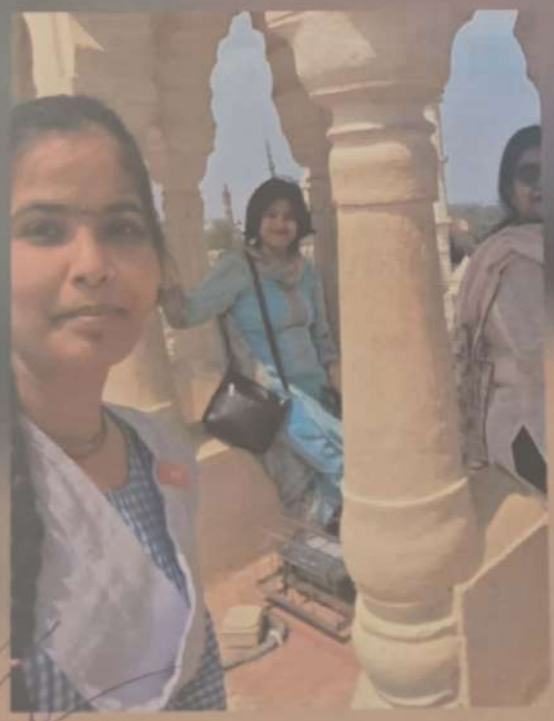
Scanned with OKEN Scanner













Principal
Pt. Deen Dayal Upadhyay

Scanned with OKEN Scanner